

10 लाख नौकरियां और 100 अरब डॉलर का निवेश स्विट्जरलैंड के साथ भारत की बड़ी डील

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन की बातचीत के बाद दोनों देशों के रिश्ते नए दौर में प्रवेश कर गए हैं। अब सहयोग सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा। दोनों देश निवेश, निर्यात, रक्षा, परमाणु ऊर्जा और बुनियादी ढांचे में मिलकर काम बढ़ाएंगे। स्विट्जरलैंड में भारतीय सामान की बिक्री बढ़ाने और वहां से ज्यादा निवेश भारत लाने पर सहमति बनी है। दरअसल, पीएम मोदी और स्विस राष्ट्रपति गाइ पारमेलिन के बीच वार्ता के बाद, भारत और स्विट्जरलैंड ने सोमवार को आब्रजन और आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। साथ ही, उन्होंने भारतीय निर्यात के लिए स्विस बाजार तक पहुंच बढ़ाने और परमाणु ऊर्जा व रक्षा क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर भी सहमति जताई। बता दें

झोला उठाने का समय आ गया, दवा की कीमतों को लेकर केंद्र पर बरसी कांग्रेस

नई दिल्ली,एजेंसी। गंभीर बीमारियों की दवाई की कीमतों का हवाला देते हुए कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बड़ा अटक किया है। कांग्रेस ने कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण देशभर में मरीजों पर महंगी दवाओं का बोझ बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झोला उठाकर जाने का समय जल्दी आ रहा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि जब कानून मरीजों को राहत देने का रास्ता देता है, तो उस पर आगे बढ़ने में देरी क्यों हो रही है और मरीजों के लिए सस्ती दवा कब सुनिश्चित की जाएगी उन्होंने पक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण देशभर में मरीजों पर महंगी दवाओं का बोझ बढ़ रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नीरो की तरह अपनी अलग ही डफली बजाने में व्यस्त हैं। पार्टी महासचिव ने दवा किया कि देश में मरीजों से दवाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर भारी कीमत वसूली जा रही है। उन्होंने कहा कि 74 रुपये का एक इंजेक्शन 4,980 रुपये में मिल रहा है और उतर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों से 67 गुना ज्यादा वसूली की जा रही है। रमेश ने कहा कि कैसर जैसी जानलेवा बीमारी की एक दवा की 21 दिन की खुराक की कीमत करीब 58,000 रुपये है, जिससे सालाना खर्च करीब 10 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। रमेश ने कहा कि सवाल सिर्फ एक दवा की कीमत का नहीं, बल्कि पिछले 12 साल से सता में बैठी सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं का है। कांग्रेस महासचिव का कहना है कि पेटेंट कानून की धाराओं 92 और 100 में सार्वजनिक हित तथा सरकारी उपयोग के लिए प्रावधान मौजूद हैं। रमेश ने केरल उच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि पेटेंट अंतिम उपचार की धारा 100 के तहत सरकार पेटेंट वाली जीवनरक्षक दवा का उत्पादन कर सकती है।

48 विधायकों की मौजूदगी में पीएम मोदी ने अनिल विज को दिया विशेष सम्मान, मोदी बोले- अनिल विज ‘बहुत पुराने’ और ‘बहुत अच्छे साथी’

चंडीगढ़ । हरियाणा की राजनीति में करीब पांच दशक से सक्रिय अनिल विज को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक मंच से ‘बहुत पुराना’ और ‘बहुत अच्छा साथी’ बताया। हरियाणा के मंत्रियों और विधायकों से परिचय के दौरान विज की बारी आई तो मोदी ने कहा, मैं इन्हें बहुत पुराना जानता हूं। यह मेरे बहुत अच्छे साथी हैं। प्रधानमंत्री ने विज के पुराने स्वभाव का जिक्र करते हुए कहा कि किसी मुद्दे पर वे नाराज हो जाते थे, लेकिन बाद में मान भी जाते थे। नाराज होना उनकी कार्यशैली का हिस्सा है। प्रधानमंत्री के ये शब्द उस समय आए, जब राम्रमे ने हरियाणा के 48 विधायक थे। भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी और सह प्रभारी भोला सिंह की मौजूदगी ने इस टिप्पणी को राजनीतिक रूप से और महत्वपूर्ण बना दिया। हरियाणा भाजपा की राजनीति में वरिष्ठता, संगठनात्मक अनुभव और लंबे राजनीतिक सफर के लियेजिन से इसे विज के कद की, सार्वजनिक स्वीकार्यता के तौर पर देखा जा रहा है। मोदी और विज का राजनीतिक परिचय दशकों पुराना है।



भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जीoshi हरियाणा के सबसे निकली राष्ट्रीय एकता यात्रा के दौरान दोनों नेता सक्रिय रूप से साथ रहे। कश्मीर के लाल चोक तक पहुंचने वाली इस यात्रा में नरेंद्र मोदी प्रमुख चेहरा थे, जबकि अनिल विज भी अभियान में पूरी सक्रियता से जुड़े थे। उस दौर में भाजपा सत्ता की राजनीति से ज्यादा संगठन और विचारधारा के विस्तार के संघर्ष में थी।

उसी दौर के साथी आज देश के प्रधानमंत्री और हरियाणा के सबसे वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। ऐसे में मोदी का विज को ‘पुराना साथी’ कहना सिर्फ व्यक्तिगत संबंधन नहीं, बल्कि लंबे राजनीतिक संबंधों का साक्ष्य है। अनिल विज की राजनीति की शुरुआत सत्ता से

राज्यसभा उपचुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हो गई कोयल मलिक, पार्टी पहले ही आगे कर चुकी है नाम

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में राज्यसभा उपचुनाव में कोयल मलिक के नाम के ऐलान के बाद उन्होंने औपचारिक रूप से बीजेपी का दामन थाम लिया है। बंगाली फिल्म अभिनेत्री कोयल मलिक टीएमसे से इस्तीफा दे दिया था। 16 जुलाई 2026 को उन्होंने राज्यसभा से से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद एक सीट खाली हो गई थी और इसी सीट पर 16 अक्टूबर को चुनाव होना है। दिग्गज बंगाली फिल्म अभिनेता रंजीत मल्लिक की बेटी कोयल मल्लिक इससे पहले तुलनाल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रह चुकी हैं। उन्होंने छह अप्रैल से 16 जुलाई तक थोड़े समय के लिए राज्यसभा सदस्य के रूप में काम किया था। विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। कोयल मल्लिक का भाजपा में स्वागत करते हुए पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई की महासचिव शशि अग्निहोत्री ने कहा कि अभिनेत्री सोमवार को राज्यसभा सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में मल्लिक ने कहा, संसद के उच्च सदन की सदस्य बनना और लोगों के कल्याण के लिए काम करने का अवसर मिलना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। टीएमसी के कई राज्यसभा सांसदों ने इस्तीफा दिया था इनमें सुषिता देव के साथ सर्वश्री सुखेन्द्र शेखर राय और प्रकाश चिक का नाम शामिल है। कोयल मलिक को रुक्मिणी मलिक के नाम से भी जाना जाता है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण घुघ ने आज यहां एक व्हिझि जारी कर बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में होने वाले राज्यसभा के चुनाव के लिए दिनेश आर्य और रुक्मिणी मल्लिक (श्रीमती कोयल मलिक) के नाम की स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने आर्य को उत्तराखंड से राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया है। वहीं श्रीमती मल्लिक को पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की उम्मीदवार बनाया गया है।

हिन्दी दैनिक

गौरव पूर्ण भारत

5 कैप्टन स्मित मच्छर के मुरीद हुए सलमान खान.....

gauravpuranbharat@gmail.com

6 न्यूजीलैंड सीरीज में दिखेगी भारत की संभावित वर्ल्ड कप ...



हैं। भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के देशों-आइसलैंड, लिक्टेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड-के बीच व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता (टीईपीए) के अक्टूबर में लागू होने से दोनों पक्षों के बीच व्यापार और निवेश के रिश्तों को और बढ़ावा मिला है। मोदी ने कहा कि टीईपीए निवेश, नवाचार, रोजगार और साझा समृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी

खाका है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से, हम अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश और 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अपने लक्ष्यों को साकार करेंगे। प्रधानमंत्री ने नवाचार, बुनियादी ढांचे और उन्नत प्रौद्योगिकी को भारत-स्विट्जरलैंड साझेदारी के मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा कि दोनों पक्ष सहभागिता को नई गति देने जा रहे हैं।

यूपी से बीजेपी की राज्यसभा सूची में सारे नए चेहरे, दो मंत्रियों को मोदी सरकार से देना पड़ेगा इस्तीफा

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले चुनाव में बीजेपी ने सोमवार को अपने 8 उम्मीदवारों के नामों की लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में सारे नए चेहरों के नाम हैं। उत्तर प्रदेश से दोनों केंद्रीय मंत्रियों हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा को रिपीट नहीं किया गया है। इसके साथ ही अब केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की भी अटकलें तेज हो गई हैं। दोनों मंत्रियों की राज्यसभा सदस्यता का कार्यकाल खत्म होने वाला है। ऐसे में राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट में उनका नाम नहीं होने से यह माना जा रहा है कि शायद केंद्रीय कैबिनेट से उनकी छुट्टी हो सकती है। हरदीप सिंह पुरी वर्तमान में भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री हैं जबकि बीएल वर्मा राज्य मंत्री हैं। दोनों संसद के



उच्च सदन (राज्यसभा) के सदस्य हैं। दोनों का कार्यकाल इसी साल खत्म हो रहा है। हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा दोनों को नवंबर 2000 में राज्यसभा भेजा गया था। यानी नवंबर 2026 में उनका कार्यकाल खत्म हो जाएगा। हरदीप सिंह पुरी को सबसे पहले जनवरी 2018 में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुना गया था। यह सीट मनोहर पर्रिकर के इस्तीफे के चलते खाली हुई थी। इस सीट पर बाकी

बचे कार्यकाल के लिए उनका चुनाव हुआ था। 26 नवंबर 2020 को उन्हें दोबारा यूपी से ही निर्विरोध चुनकर राज्यसभा में भेजा गया था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया था। पहले वे राज्यमंत्री बने फिर जून 2024 में जब तीसरी बार मोदी सरकार बनी तो उन्हें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय का मंत्री बनाया गया। इसी तरह उत्तर प्रदेश से बीएल वर्मा को भी नवंबर 2020 में राज्यसभा के लिए चुना गया था। उन्हें मोदी सरकार में राज्यमंत्री बनाया गया। जून 2024 में तीसरी बार बनी मोदी सरकार में उन्हें उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सामाजिक न्याय मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाया गया। सोमवार को उत्तर प्रदेश से भाजपा के 8 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी होते ही

इस बात की चर्चा तेज हो गई कि क्या हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा को जल्द ही केंद्रीय कैबिनेट से बाहर जाना होगा। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चाओं को भी नए सिरे से बल मिल गया है। मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय कैबिनेट में अभी 12 सीटें खाली हैं। संविधान के अनुसार कैबिनेट में 81 मंत्री हो सकते हैं। पिछले दिनों नीट मुद्दे पर जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के बाद धर्मनद्र प्रधान ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। वर्तमान में 69 मंत्री हैं। कहा जा रहा है यूपी विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल होने की उम्मीद है। भाजपा ने सोमवार को जारी आठ राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट में सामाजिक समीकरणों का पूरा ध्यान रखा है।

एंटी नारकोटिक्स सेल की बड़ी कामयाबी; 56 लाख की हेरोइन के साथ महिला समेत 2 आरोपी पकड़े, हिसार में करनी थी सप्लाई



फतेहाबाद। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद एंटी नारकोटिक्स सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस टीम ने अंकावाली बाईपास पुल के नीचे कार्रवाई करते हुए 281 ग्राम हेरोइन के साथ एक महिला समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की अनुमानित कीमत करीब 56 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी उपनिरीक्षक देवपाल के नेतृत्व में टीम गश्त और चेकिंग पर थी। इसी दौरान सूचना के आधार पर अंकावाली बाईपास पुल के नीचे दक्षिण दी गई। मौके से हर्षदीप उर्फ बग्गा निवासी पीरावाली, हिसार और शरणजीत कोर उर्फ काजल निवासी बटिंडा, पंजाब को काबू किया गया। तलाशी के दौरान

दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल 281 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर थाना सदर फतेहाबाद में NDPS एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि बरामद हेरोइन की सप्लाई पीरावाली, जिला हिसार में की जानी थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हेरोइन कहा से लाई गई थी और इसे आगे किसे सप्लाई किया जाना था। मामले का खुलासा करते हुए इरुक्क जय सिंह ने बताया कि पुलिस की जांच जारी है और नशे की सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस का कहना है कि नशा तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

किसानों के हित में हिमाचल के साथ हमेशा खड़ी है मोदी सरकार- अनुराग

हमीरपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के किसानों के हितों और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हिमाचल के कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा 64.82 करोड़ रुपए की दूसरी किस्त जारी की गई है। यह बात सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने दिल्ली में कही। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा जारी 64.82 करोड़ रुपए की राशि में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 28.31 करोड़ रुपए तथा कृषि उन्नति योजना के तहत 36.51 करोड़ रुपए शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल को लगातार मिल रहा यह वित्तीय सहयोग प्रदेश के किसानों विशेषकर छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के लिए कुल 589.59 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इनमें से



456.07 करोड़ रुपए जारी किए जा चुके हैं, जबकि 378.24 करोड़ रुपए का उपयोग कृषि विकास से संबंधित कार्यों में हो चुका है। उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश के 88.85 प्रतिशत किसान छोटे एवं सीमांत श्रेणी से आते हैं। पहाड़ी राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप केंद्र सरकार फसल विविधीकरण, आधुनिक सिंचाई, कृषि अवसंरचना, कृषि मंडियों के डिजिटलीकरण व प्राकृतिक खेती के विस्तार पर निवेश कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि केंद्र से मिलने वाली निधियों का प्रभावी, पारदर्शी व समन्वय उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि

योजना का वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि कृषि मंडियों के डिजिटलीकरण, बेहतर बाजार संपर्क, कृषि अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा प्राकृतिक खेती के विस्तार सहित किसानों से जुड़े प्रत्येक विषय पर केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के साथ सहयोग कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण और कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

पत्रकार से कथित छेड़छाड़ के आरोपों के बीच एसीपी विवेक भगत का प्रमोशन, दिल्ली पुलिस में मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली,एजेंसी। जंतर-मंतर पर 3 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के दौरान छेड़खानी के आरोपों को लेकर चर्चा में आए दिल्ली पुलिस के ACP विवेक भगत का प्रमोशन हुआ है। उन्हें एडिशनल DCP का पद दिया गया है। उनके साथ 11 अन्य DANIPS अधिकारियों को भी प्रमोशन मिला है। दिल्ली सरकार के गृह विभाग ने 5 अक्टूबर को इस संबंध में आदेश जारी किया। आदेश के मुताबिक, 12 DANIPS अधिकारियों को एडिशनल DCP के पद का वर्तमान कार्यभार सौंपा गया है। इनमें ACP विवेक भगत भी शामिल हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन अधिकारियों का प्रमोशन नियमित प्रक्रिया के तहत हुआ है। प्रमोशन के लिए प्रस्ताव काफी पहले ही भेजा जा चुका था। अधिकारी ने कहा कि यह प्रक्रिया हालिया शिकायतों से पहले शुरू हो गई थी। जंतर-मंतर पर CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान एक महिला ने खुद को पत्रकार बताते हुए ACP विवेक भगत पर छेड़खानी का आरोप लगाया था। इस प्रदर्शन की कवरेज के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस कमिश्नरियों के खिलाफ शिकायत की थी। दिल्ली पुलिस ने इन शिकायतों को जांच के लिए क्राइम ब्रांच को भेज दिया है। मामले की जांच अभी जारी है और आरोपों पर कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। विभागीय आदेश के तहत विवेक भगत समेत 12 DANIPS अधिकारियों को एडिशनल DCP के पद का कार्यभार दिया गया है। यह व्यवस्था अस्थायी है और गृह मंत्रालय की ओर से इन पदों को नियमित आधार पर भरे जाने तक लागू रहेगी। आदेश में कहा गया है कि इस व्यवस्था से अधिकारियों को एडिशनल DCP पद से जुड़ी वरिष्ठता, वेतन या अन्य नियमित लाभ नहीं मिलेंगे। प्रमोशन पाने वाले अधिकारियों में डॉ. विकास श्योकंद, ए. वैकटेश, गुरसेवक सिंह, रेनु लता, विदुषी कौशिक, मनु हिमांशु, सकरिया मिहिर प्रवीणभाई, गरिमा तिवारी, विवेक भगत, आशीष कुमार, मनोष लाडला और रोहित गुप्ता शामिल हैं।

संपादकीय (उमेश कुमार तिवारी)

पढ़ाई का दबाव नहीं ड़ेल पाते विद्यार्थी

शिक्षा का उद्देश्य अब सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना नहीं रह गया है। अच्छे अंक, प्रवेश परीक्षा, डिग्री, नौकरी और करियर की होड़ में यह लगातार बदलता जा रहा है। इसका सबसे गंभीर असर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसी कारण उनमें आत्महत्या की प्रवृति बढ़ रही है।आईआईटी जैसे उच्च प्रतिष्ठित संस्थानों में तो यह समस्या कहीं अधिक गहरी है। आंकड़े इस संकट की गंभीरता बताते हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट में 13,044 छात्रों की आत्महत्याएं दर्ज हुईं, जो उस वर्ष देश में हुई कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत थीं। इसी समस्या को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर राष्ट्रीय कार्य–बल बनाया गया। फरवरी 2026 तक उसके सफल में 12.88 लाख से अधिक छात्रों व 16,750 उच्च शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया। कार्य–बल ने कई मुद्दों की पड़ताल की थी। यहां आईआईटी जैसे संस्थानों का जिक्र लाजिमी है। आईआईटी, दिल्ली की छात्र आत्महत्याओं पर बनी समिति ने अत्यधिक अकादमिक दबाव, लगातार प्रतिस्पर्धा और ऐसी ग्रेडिंग व्यवस्था, जो छात्रों में प्रतिस्पर्धात्मक तनाव बढ़ा सकती है, को प्रमुख चिंताओं में रखा। समिति ने कोचिंग के बाद होने वाली थकान और जाति व लैंगिक भेदभाव जैसे दूसरे पहलुओं का भी उल्लेख किया। 2023 और 2024 में आईआईटी, दिल्ली में कई छात्रों की आत्महत्या के बाद यह समिति बनाई गई थी। इसका अर्थ यह है कि समस्या दूसरी है। असल में, बच्चे बचपन से ही सफलता को अंकों से जोड़ना सीख जाते हैं। स्कूल में अच्छे अंक, फिर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता, प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश, वहां बेहतर सीजीपीए, इंटरनशिप और अंततः अच्छी नौकरी– हर चरण में एक नई दौड़ सामने होती है, जो तनाव बढ़ाती है। ऐसे वातावरण में परीक्षा में असफलता या कम अंक आना कई बार विद्यार्थियों को हताश कर जाता है। ऐसे में, उनका हर तरीके से ध्यान रखा जाना आवश्यक हो जाता है। वैसे, यह समझना भी जरूरी है कि हर तनाव आत्महत्या की ओर नहीं ले जाता और हर आत्महत्या के पीछे एक ही कारण नहीं होता। इसलिए समाधान केवल पाठ्यक्रम या परीक्षा का बोझ घटाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। छात्रों के लिए आसानी से उपलब्ध और गोपनीय काउंसलिंग, नियमित मानसिक स्वास्थ्य जांच, अकादमिक मेंटरिंग, असफलता से उबरने की व्यवस्था और शिक्षक–छात्र संवाद को संरक्षण रूप देना जरूरी है। उनको यह बताना होगा कि पढ़ाई जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम है, जीवन का विकल्प नहीं। देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों को प्रतिभा, अनुशासन और उत्कृष्ट शैक्षणिक केंद्रों के रूप में देखा जाता है। इन संस्थानों में प्रवेश पाना लाखों विद्यार्थियों का सपना होता है, लेकिन जब इन्हीं संस्थानों से छात्रों की आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं, तो समाज के सामने शिक्षा व्यवस्था, परिवार और सामाजिक सोच से जुड़े कई गंभीर सवाल खड़े हो जाते हैं। हर ऐसी घटना पर संवेदना व्यक्त करने के साथ यह समझना भी जरूरी है कि आखिर वे कौन–सी परिस्थितियां थीं, जिनमें एक विद्यार्थी इतना असहाय महसूस करने लगा? आईआईटी में पिछले वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या के आंकड़े चिंता पैदा करते हैं। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में 75 आईआईटी छात्रों ने खुदकुशी की। एक दशक में ऐसे मामलों में 135 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं। हर संख्या के पीछे एक परिवार, माता–पिता के सपने, भाई–बहनों का संबंध, शिक्षक की भूमिका और एक विद्यार्थी का भविष्य जुड़ा होता है, इसलिए इन घटनाओं को केवल परीक्षा के दबाव या पढ़ाई की कठिनाई से जोड़कर देखना पर्याप्त नहीं होगा। निस्संदेह, आईआईटी जैसे संस्थानों में लगातार परीक्षाएं, परियोजनाएं, प्रयोगशाला कार्य, समय–सीमाएं, अच्छे अंक हासिल करने की चिंता व रोजगार की प्रतिस्पर्धा बनी रहती है, और जब विद्यार्थी अपने आसपास के साथियों को लगातार अच्छा प्रदर्शन करते देखता है, तब उसका आत्मविश्वास दरकने लगता है। किंतु, केवल पढ़ाई को दोष देना सही नहीं होगा। प्रत्येक विद्यार्थी की परिस्थितियां अलग होती हैं। किसी के परिवार में आर्थिक समस्या हो सकती है, किसी को माता–पिता के अलगाव या किसी प्रियजन को खोने का दुख परेशान कर सकता है, कोई लंबे समय से मानसिक तनाव से जूझ रहा हो सकता है, तो किसी को भेदभाव, अपमान, अकेलापन या सामाजिक अस्वीकार का सामना करना पड़ सकता है। कुछ मामलों में नशे जैसी परिस्थितियां मानसिक परेशानी को और गंभीर बना सकती हैं। इसलिए प्रत्येक घटना की संवेदनशील जांच जरूरी है। बिना जांच किसी एक कारण को अंतिम मान लेना न विद्यार्थी के साथ न्याय है और न समाज के साथ। ऐसे में, आईआईटी सहित सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में केवल काउंसलिंग केंद्र खोल देना पर्याप्त नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यार्थियों तक जरूरी सहायता पहुंचे। हर आत्महत्या केवल संस्थान की गलती नहीं होती। परिवार, शिक्षक, मित्र, सहपाठी और समाज मिलकर विद्यार्थी के आसपास का वातावरण बनाते हैं, इसलिए समाधान भी सामूहिक होना चाहिए।

नई दिल्ली

संपादकीय

नीरजा भनोट से स्मित मच्छार तक, हिन्दुओं की शूरवीरता की कायल दुनिया

कैप्टन स्मित मच्छार की बहादुरी को जहां आज पूरी दुनिया सलाम कर रही है वहीं इस घटना ने आज से लगभग चालीस साल पहले हुई इसी तरह की घटना की याद दिलावा दी है जब एक अन्य हिंदू विरांगना नीरजा भनोट ने अपनी जान दे कर जहाज में सवार कई दर्जन यात्रियों की जान बचाई थी। आज पूरी दुनिया हिन्दुओं की इसी बहादुरी व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है। 30 सितम्बर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड–1073 में उस समय अफगान–तफरी मच गई, जब कॉकपिट के अंदर दोनों पायलटों के बीच हिसक झड़प हो गई। घटना के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा। विमान ने बेहद कम समय में हजारों फीट की ऊंचाई खो दी। स्थिति बिगड़ती देख यात्रियों और चालक दल के सदस्यों ने कॉकपिट तक पहुंचने की कोशिश की। घायल होने के बावजूद कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे अंदर मौजूद हमलावर को काबू करने का रास्ता बना। इसके बाद इजारायली यात्री यानिव हयून कॉकपिट के अंदर पहुंचे, हयून ने हमलावर को पीछे से पकड़कर नियंत्रण से दूर किया और पायलट की सीट पर पहुंचकर विमान को संभालने में मदद की। इस तरह स्मित मच्छार ने जहाज में सवार 174 लोगों की जान बचाई, जिनमें अधिकतर इसाइली नागरिक थे। विमान को क़ैश करने की कोशिश करने वाला को–पायलट ओमान का निवासी था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,



इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया भर के बड़े नेताओं ने इस हिन्दू सपूत की बहादुरी की प्रशंसा की है। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित मच्छार के साहस को ‘अविस्वसनीय’ बताया। उन्होंने कहा कि घायल होने के बावजूद भारतीय पायलट ने जिस तरह स्थिति का सामना किया, उसने यात्रियों और चालक दल को हस्तक्षेप का मौका दिया। पीएम मोदी ने उन्हें ‘हीरो’ बताते हुए कहा कि उनके साहस ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की। डोनाल्ड ट्रंप ने भी घटना को लेकर कैप्टन मच्छार और यानी यानिव हयून की तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद

इसी तरह की घटना में शहीद हुईं थीं परंतु जीवन के अंतिम क्षण तक अपहृत जहाज के यात्रियों की सुरक्षा के लिए आतंकियों से लड़ती रहीं। उनकी बहादुरी को देख कर पाकिस्तान ने भी उन्हें तमगा–ए–इंसानियत पुरस्कार से सम्मानित किया। 5 सितंबर 1986 की सुबह कराची का जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पैन अमेरिकन वर्ल्ड की फ्लाइट 73 मुंबई से न्यूयॉर्क के सफर पर थी और कराची उसका एक पड़ाव था। विमान में करीब 360 यात्री और 19 क़रु सदस्य मौजूद थे। लेकिन अचानक विमान में चार हथियारबंद आतंकी घुस आए और उन्होंने फ्लाइट को हाईजैक कर लिया। उस समय विमान की सीनियर फ्लाइट पर्सन थी 22 साल की नीरजा भनोट। हालात बेहद खतरनाक थे, लेकिन नीरजा ने घबराने के बजाय तुरंत समझ लिया कि यात्रियों को बचाने के लिए क्या करना जरूरी है। उन्होंने कॉकपिट तक हाईजैक का संकेत पहुंचाया। इसकी वजह से पायलट और दूसरे कॉकपिट क़रु सदस्य जिससे विमान के उड़ान भरने की संभावना खत्म हो गई और आतंकवादी अंदर फंस गए यात्रियों पर नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करने लगे। आतंकवादियों की नजर अमेरिकी यात्रियों पर थी। नीरजा ने अमेरिकी यात्रियों के पासपोर्ट छिपाने शुरू कर दिए। पासपोर्ट कूड़ेदान में डाल दिए गए, ताकि आतंकवादियों को यह पता न चल सके कि विमान में कौन–कौन से अमेरिकी नागरिक मौजूद हैं। करीब 17 घंटे तक विमान जमीन पर खड़ा रहा।

जब विमान की बिजली चली गई, तो स्थिति अचानक और ज्यादा खतरनाक हो गई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। अफगान–तफरी के बीच नीरजा ने इमरजेंसी गेट खोल दिया। उनके सामने मौका था कि वह खुद सबसे पहले विमान से बाहर निकल जाएं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने यात्रियों को बाहर निकलने में मदद करना शुरू किया। नीरजा ने बच्चों समेत कई यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इसी दौरान वह आतंकवादियों की गोली का निशाना बन गईं। तीन बच्चों को बचाने की कोशिश करते हुए उन्हें गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल नीरजा को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। इस घटना में 20 लोगों की मौत हुई, हालांकि, नीरजा की सूझबूझ और साहस के कारण सैकड़ों यात्री सुरक्षित बच पाए। नीरजा भनोट की बहादुरी को भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सम्मान मिला. भारत सरकार ने उन्हें मरणोपरांत अशोक चक्र से सम्मानित किया। पाकिस्तान ने भी उनकी बहादुरी को मान्यता देते हुए उन्हें ‘तमगा–ए–इंसानियत’ से सम्मानित किया। अमेरिका में भी उनकी बहादुरी के लिए उन्हें कई सम्मान मिले। बाद के वर्षों में अपने देश में डाक टिकट जारी किया गया और मुंबई में एक चौक का नाम भी उनके नाम पर रखा गया। आज स्मित मच्छार ने नीरजा भनोट की उसी बहादुरी की पुन स्मृति करवा दी है और दुनिया हिन्दुओं की शूरवीरता व कर्तव्यपरायणता को सलाम कर रही है।

हरित पटाखों को लेकर इतनी हाय-तौबा क्यों

नई पीढ़ी के हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुखद है। अदालत ने तय मानक और संरचना का पालन करने वाले हरित पटाखों को बनाने और बेचे जाने की बात कही है। यह समझना चाहिए कि किसी भी व्यवस्था की सफलता उसके प्रभावी नियंत्रण के साथ–साथ बचाव संबंधी निर्देशों पर निर्भर करती है। शीर्ष अदालत के इस निर्देश में नियंत्रण और बचाव, दोनों की झलक दिखती है। उसने हरित पटाखों की वकालत की है, यानी पटाखों में रसायनों का कम इस्तेमाल होना चाहिए, जो बचाव के उपाय हैं, जबकि इसे जलाने की समय–सीमा तय करके उसने प्रदूषण पर नियंत्रण का प्रयास किया है। पटाखा बनाने का एक तय दर्रा है। इसमें पोटेशियम नाइट्रेट, पोटेशियम क्लोरेट, पोटेशियम परक्लोरेट जैसे ऑक्सीकरण एजेंट होते हैं, जो जलाने में मदद करते हैं। और, जो चीज जलती है, वह सल्फर होता है, जिससे सल्फर डाई–ऑक्साइड गैस पैदा होती है। इसमें चारकोल का भी इस्तेमाल होता है, जो जलने के बाद कार्बन डाई–ऑक्साइड गैस पैदा करती है, और अगर न जले, तो कार्बन मोनोऑक्साइड। काला पाउडर भी इसमें डाला जाता है। फिर, रंग देने वाले कारक भी इसमें मिलाए जाते हैं, जैसे– स्ट्रॉन्शियम कार्बोनेट का उपयोग पटाखों में चटख व गहरा लाल रंग पैदा करने के लिए किया जाता है, तो बेरियम क्लोराइड हरा रंग के लिए। सोडियम नाइट्रेट से इसी रंग



निकलता है। इन जैसे तमाम रासायनिक योगिकों का उपयोग बतौर ‘कलरिंग एजेंट’ किया जाता है। पटाखे को बांधने के लिए डेक्सट्रिन जैसा स्टार्च ‘बाइंडर’ के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ग्रीन पटाखे में भी यह सब होता है, लेकिन पारंपरिक पटाखों से कुछ अलग। मिसाल के लिए, हरित पटाखे में बेरियम क्लोराइड का विकल्प इस्तेमाल किया जाता है, इसमें तमाम पदार्थों के शुद्ध रूप होते हैं; और तो और, बाइंडर के रूप में शैलेक लगाया जाता है, जो गोंद जैसा होता है, जिस कारण जलने के बाद उत्सर्जन अंदर ही फंसा रहता है, बाहर नहीं निकलता। इन सब कारणों से ही हरित पटाखों को पसंद किया जाता है, क्योंकि उत्सर्जन तो इनमें भी होता है, पर तुलनात्मक रूप से कम, इसलिए इसे कहीं अधिक पर्यावरण–अनुकूल माना जाता है। आलोकक तर्क

देते हैं कि दीपावली तो दीयों का त्योहार है, तो फिर पटाखों पर जोर क्यों? बेशक, उनकी बातों का सम्मान है, लेकिन सच यह भी है कि दीवाली आनंद और प्रकाश का उत्सव है, जिसका रूप अब बदल गया है। पहले के जमाने में सिर्फ दीपक जलाए जाते थे, लेकिन अब दीपावली में हम रंग–बिरंगी रोशनी देखते हैं। जब प्रकाश का स्वरूप बदल गया, तो आनंद मनाने के लिए पटाखों के इस्तेमाल को गलत कैसे माना जाए? हरित पटाखों के कई फायदे भी हैं। पारंपरिक पटाखों की तुलना में इसमें आग लगने की आशंका कम होती है। ‘सेफ वाटर रिलीजर’ जैसे हरित पटाखे जलने के बाद पानी की छोटी–छोटी ही फंसा जलता है, बाहर नहीं निकलता। इन सब कारणों से ही हरित पटाखों को पसंद किया जाता है, क्योंकि उत्सर्जन तो इनमें भी होता है, पर तुलनात्मक रूप से कम, इसलिए इसे कहीं अधिक पर्यावरण–अनुकूल माना जाता है। आलोकक तर्क

हानिकारक गैसीय उत्सर्जन को भी तुरंत सोख लेते हैं या फिर उनको बैठने में मदद करते हैं। हरित पटाखों में बेरियम क्लोराइड या बेरियम नाइट्रेट का इस्तेमाल भी नहीं किया जाता। पारंपरिक पटाखों में जहां लौह ऑक्साइड डाला जाता है, ताकि चिंगारी पैदा हो, वहीं हरित पटाखे में जियोलाइट, सिलिका आदि का इस्तेमाल होता है, जिससे प्रदूषण कम होता है। ऐसे पटाखों में सल्फर और पोटेशियम की मात्रा भी कम होती है, साथ ही मिट्टी का इस्तेमाल होता है। इसलिए सोच–विचारकर ही इन पटाखों के इस्तेमाल को अनुमति दी गई है। जब हरित पटाखों को लेकर प्रयोग हो रहे थे, तब में भी उस टीम का हिस्सा था। इसे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नेरी) ने बनाया है। प्रयोग के समय हमारी चिंता यही थी कि भारत की आबोहवा को देखते हुए हम कुछ ऐसा बनाएं, जिससे पारंपरिक पटाखों से होने वाले प्रदूषण से बचा जा सके। निस्संदेह, अभी इस पर और काम करने की जरूरत है और हमारे वैज्ञानिकों की टीम इस दिशा में तत्पर होगी, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि जब तक और अधिक उन्नत हरित पटाखे नहीं बन जाते, तब तक के लिए आतिशबाजी को प्रतिबंधित कर दिया जाए। पटाखों से बेशक प्रदूषण फैलता है, पर प्रतिबंध के अपने नुकसान हैं। यह उद्योग काफी विस्तार ले चुका है। लाखों लोग इससे अपने परिवार का गुजर–बसर कर रहे हैं। कई सारे रासायनिक उद्योग इससे जुड़े हुए

हैं। इन सबके बारे में हमें सोचना होगा। पटाखों को प्रतिबंधित करने का तर्क उसी तरह लचीला है, जिस तरह प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की मांग, क्योंकि कई मामलों में प्लास्टिक के फायदे भी हमने देखे हैं। इसलिए पटाखों को लेकर होने वाला विलाप बंद होना चाहिए। कई देशों में हरित पटाखों का इस्तेमाल होता है, तो अपने देश में इतनी हाय–तौबा क्यों? लागत अधिक होने का कारण हरित पटाखों की कीमत पारंपरिक पटाखों से अधिक होती है। ऐसे में, खुदरा बाजार में नकली पटाखे बेचे जा सकते हैं, जो तुलनात्मक रूप से सस्ते हो सकते हैं। हालांकि, इनको पहचानने का तरीका आसान है। हरित पटाखे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से प्रबंधित होते हैं, इसलिए उन पर बोर्ड का लोगो लगा होता है। हालांकि, चुनौती चीन से आने वाले पटाखे पैदा कर सकते हैं। ये सस्ते होते हैं, इसलिए लोग इसे खरीदना पसंद करते हैं। ऐसे में, बाजार की निगरानी जरूरी है। जन–जागरूकता पर भी काम होना चाहिए। लोगों में इतनी संजीदगी जरूरी है कि वे भारत निर्मित व सीपीसीबी प्रमाणित हरित पटाखे ही खरीदें। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। हमें याद रखना चाहिए कि सभी नियम–कानून अथवा पर्यावरण संबंधी दिशा–निर्देश जनजीवन और जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर ही बनाए जाते हैं, इसलिए उनका पालन करना नागरिकों का अधोषित कर्तव्य है।

अब तक विरोधियों से ताकत पाते रहे प्रधानमंत्री मोदी क्या चक्रव्यूह तोड़ पाएंगें

मोदी है तो मुमकिन है यह सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों के सत्ताकाल में इसे अर्जित किया है। चुनावों में इस भावना को ‘मोदी की गारंटी’ कहा गया। यही विचार था जो मोदी को संगठन और विचार से बड़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। वह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाने का सपना। इस मायने में वे सचनों के सौदागर भी हैं। अच्छे दिन आने वाले हैं से लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास तक यह सातत्य दिखता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है। ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिया। यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो आकांक्षाओं से भरा–पूरा था। अवस्था की चांदर को फेंक कर कुछ करना चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था। मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक तंत्र और नेताओं की इज्जत थोड़ी बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय याद करें तो वह ‘नीतिगत

जड़ता’ का समय था, घोटालों की खबरें से हलाकतान देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी। तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे और लोगों ने उनमें राष्ट्रनायक की छवि देखी। उनका साधारण अतीत भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के दर्द पता हैं और वे संकटों के ठोस और वाजिब हल निकालेंगे। इस भरोसे ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर न सिर्फ बिठाया बल्कि तमाम राज्यों में भी भाजपा और राजग की सरकारें बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार कहकर संबोधित किया गया। गुजरात और दिल्ली के ‘सत्ता साकेत’ में लगभग ढाई दशक पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर इस समय विपक्ष और समाज के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे तो खुद उनकी सरकार ने दिए तो कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं। जिसमें पेपरलीक, एनटीए की नाकामी, इथेनाल और चुनाव आयोग जैसे मुद्दे हैं, नरेटिव की जंग में मोदी का मुकाबला नहीं, किंतु हर बार ऐसा नहीं होता। कई बार अतिआत्मविश्वास भी नुकसानदायक होता है। जनता सब कुछ कर सकती है, किंतु अहंकार स्वीकार नहीं करती। सच तो यह है कि विपक्ष के बिखराव और आपसी खींचतान के बाद भी

सरकार न तो सदन चला पाई न सामने से उठ रहे सवालों के उत्तर दे पाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मोदी थक गए हैं या वे घिर गए हैं? सच्चाई तो यह है कि मोदी और उनकी पार्टी के संगठन का मुकाबला करने की स्थिति में इस समय कोई दल या राजनीतिक समूह नहीं है। भाजपा अब पुरानी पार्टी नहीं रही। इस दौर में उनका जो भौगोलिक और सामाजिक विस्तार हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इसके भरोसे ही वह तीन बार केंद्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी रुझान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा तो बना कि भाजपा के अश्रमेघ के रथ को रोक़ा जा सकता है। अल्पमत की सरकार होने के बाद भी केंद्र की सरकार भरोसे से भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं। बंगाल के चुनावों में असंभव सी दिख रही जीत ने भाजपा के काइर में आत्मविश्वास भरा है। इस भरोसे में असम की जीत तो संयुक्त है ही। अब पंजाब और उत्तर प्रदेश के मैदान में उठी भाजपा को यह साबित करना है कि अभी वह चुकी और थकी

नहीं है। पंजाब में बहुत कमजोर खिलाड़ी होकर भी वह मैदान को जीतने के लिए जिस तरह उतरी है, वह बात साबित करती है कि उसका यह भरोसा अकारण तो बिल्कुल नहीं है।

नई नवेली आम आदमी पार्टी की सरकार वहां (पंजाब में) दूसरे संघर्ष में बन सकती है तो कोई कारण नहीं भाजपा भी ऐसे स्वज देखे। वहीं उत्तर प्रदेश में तो उसके पास योगी आदित्यनाथ जैसा फायर ब्रांड लीडर है, जिसके पास 10 सालों का सुनहरा अतीत है, सरकार के नेता पर कोई दाग नहीं है, गुंडों पर लगाय है, सरलस एकोनामी है। यानी उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदल गया है। फिर क्या कारण हैं कि नरेंद्र मोदी को लेकर तरह–तरह की बातें हो रही हैं। कई जातीय समूह उन पर हमलावर हैं। जबकि इन समूहों द्वारा उठाए जा रहे आरक्षण जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की आम सहमति है। कोई दल इस विषय को छू नहीं सकता। ‘समीक्षा’ जैसे शब्द पर भी राजनीतिक दल कांप उठते हैं। इस विषय पर मोदी निशाने पर हैं। हालांकि यह ज्यादातर जंग आनलाईन माध्यमों पर ही लड़ी जा रही है किंतु समाज में इसका जहर नहीं फैल रहा है, यह कहना गलत होगा। इस बीच यूजीसी गाइडलाईंस ने अलग कबाड़ा किया। इससे

मोदी विरोधियों को आग उगलने का मौका मिला। यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इन प्रावधानों को रोककर सरकार की लाज बचा ली। सामाजिक समरसता के लिए यह सारे विवाद घातक हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य संधान अगर समाज को बांटकर ही होता हो तो क्या किया जा सकता है? इसके साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तिलचट्टों की अनावश्यक सस्ती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुमनाम और जनाधारहीन नई नवेली ‘काक्रोच जनता पार्टी’ अनावश्यक चर्चा में आ गयी। इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम आंकना गलत होगा। योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, शुभेंद्रु अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नायब सिंह सेनी, मोहन मांडी, देवेंद्र फडनवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टीम को कम आंकना नासमझी होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूह के नेताओं की पूरी मेलिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी की ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भौगोलिक विस्तार अप्रतिम है। भाजपा ‘मोदी समय’ में

जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक की लोकसभा सीटें जीत चुकी हैं। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तृती बलर रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरोसे प्रयासों के बाद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। सरकार के विरुद्ध असंतोष को वे कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होनी है। वहां के परिणामों और फिर की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विश्लेषक और ज्योतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा आश्चस्त पाती है। प्रधानमंत्री की सक्रियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से हथियार डाल देंगे। संगठन और सरकार पर उनकी पकड़ मजबूत है। आज तक विपक्षियों के द्वारा हुए व्यापक विरोध से ही वे शक्ति अर्जित करते रहे हैं। नए समय में हो रहा विरोध क्या उन्हें फिर से शक्तिमान बनाएगा, इसके लिए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणामों का इंजाार करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश का राजनीतिक संदेश देश की भावी दिशा तय करेगा, इसमें दो राय नहीं है।



एक नज़र

इंडिया गेट मार्च से पहले 5000

जवान तैनात, ड्रोन से निगरानी;

जानिए कौन से रास्ते किए बंद

नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली में रविवार को इंडिया गेट से जंतर-मंतर तक प्रस्तावित दो मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राजधानी में करीब 5,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें जिला पुलिस के अलावा रिजर्व फोर्स, रैपिड एक्शन फोर्स और अन्य पैरामिलिट्री बलों के जवान शामिल हैं। पुलिस ने कहा है कि मार्च की अनुमति नहीं दी गई है, लेकिन इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की आशंका है। रविवार को दो मार्च प्रस्तावित हैं। पहला सिटिजन मार्च दोपहर 3 बजे इंडिया गेट से जंतर-मंतर के लिए निकाला जाना है। इसके बाद इंडिया यूथ कांग्रेस की ओर से शाम 5 बजे इसी रूट पर मार्च का ऐलान किया गया है। दोनों मार्च चौफ इलेक्शन कमिशनर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन के तौर पर आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदर्शन को देखते हुए जंतर-मंतर की ओर जाने वाले रास्तों पर मटली-लेयर बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस ने टॉलस्टीय मार्ग, जनार्थ रोड, संसद मार्ग और केरला भवन की तरफ से आने वाले रास्तों पर पहुंच रोकने के इंतजाम किए हैं। इसके अलावा अशोक रोड और सी हेक्सागन के पास भी बैरिकेड लगाए गए हैं। यानी इंडिया गेट से जंतर-मंतर के बीच प्रदर्शन के दौरान इन रास्तों पर लोगों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। पुलिस ने दोनों तरफ सुरक्षा बलों की तैनाती की है। खासतौर पर पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से जंतर-मंतर तक के इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। दिल्ली पुलिस सिर्फ जमीन पर तैनाती और बैरिकेडिंग तक सीमित नहीं रहेगी। भीड़ पर नजर रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर चिंता पैदा होती है तो ड्रोन के जरिए भीड़ और सुरक्षा इंतजामों का आकलन किया जाएगा। इसके साथ ही सभी प्रमुख रास्तों पर PCR वैन और पुलिस वाहनों की तैनाती की जाएगी। इलाके में लगे CCTV कैमरों की निगरानी सीधे DCP New Delhi के कार्यालय से की जाएगी। पुलिस ने सुरक्षा में लगाए गए जवानों को एटी-रायट गिपर भी उपलब्ध कराया है। यह मंत्रालय को भी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई है। पुलिस का कहना है कि अनुमति नहीं मिलने के बावजूद उसे बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के पहुंचने की आशंका है, इसलिए पहले से व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। जंतर-मंतर और उसके आसपास हाल में हुए प्रदर्शनों के मामले में दिल्ली पुलिस ने अब तक तीन FIR दर्ज की है। वहीं महिलाओं और पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाते हुए तीन शिकायतें भी दी हैं। पुलिस के मुताबिक इन शिकायतों को जांच के लिए एडमल ब्रांच को भेजा गया है। ऐसे में रविवार को एक बार फिर इंडिया गेट से जंतर-मंतर तक दो मार्च के ऐलान के बीच दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। करीब 5,000 जवानों की तैनाती, कई स्तर की बैरिकेडिंग, CCTV निगरानी और ड्रोन के इस्तेमाल से साफ है कि पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयारी कर रही है।

गाजियाबाद में 2 साल पुरानी बर्थ-डेय सर्टिफिकेट की डेढ़ हजार से अधिक फाइलें रद्द

गाजियाबाद,एजेंसी। जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में अब लापरवाही भारी पड़ रही है। गाजियाबाद में नए नियम लागू होने के बाद पिछले दो साल से पुराने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के 15 सौ से अधिक आवेदन एसडीएम कार्यालय से रद्द कर दिए गए हैं। इनमें वे आवेदन शामिल हैं, जिनमें दस्तावेजों और जन्म-मृत्यु की घटना को लेकर अधिकारियों को संदेह था। वहीं, लंबे समय से पेंडिंग पुरानी फाइलों का 30 सितंबर तक निस्तारण कर दिया गया है। एक अक्टूबर से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए नए नियम लागू कर दिए गए हैं। अब तक प्रमाण पत्र में देरी होने के बाद एसडीएम कार्यालय से जांच के बाद ही जारी किया जाता था। अब नए नियम के तहत दो साल से अधिक समय तक यदि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनाया तो अदालत से आदेश के बाद ही यह जारी किया जाएगा। इसके लिए अदालत में वकील के माध्यम से आवेदन करना होगा। गाजियाबाद, मोदीनगर और लोनी एसडीएम कार्यालय में लंबित 15 सौ से ज्यादा आवेदकों को अब जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कोर्ट जाना होगा। गाजियाबाद एसडीएम कार्यालय में नगर निगम और डासना नगर पालिका क्षेत्र से रोजाना 500 से अधिक आवेदन पहुंच रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जिन आवेदनों में सत्यता को लेकर संदेह था, उन्हें जांच के बाद निरस्त किया गया है। नए नियम और शुल्क 21 दिनों के भीतर निगम और नगर पालिका के जरिए निशुल्क होगा।

दिल्ली जल बोर्ड ने बदले नियम, नए कनेक्शन से लेकर, डॉक्यूमेंटेशन और मीटरिंग तक सब आसान

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्लीवालों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली जल बोर्ड ने पानी और सीवर से जुड़े नए नियमों को मंजूरी दे दी है। इन नियमों का मकसद पानी-सीवर कनेक्शन लेने और उन्हें नियमित कराने की प्रक्रिया आसान बनाना है। इसके साथ ही कागजी कार्रवाई की जरूरत कम करना और बिल्डिंग की ऊंचाई की परवाह किए बिना सभी घरों में अलग-अलग पानी के कनेक्शन देना है। दिल्ली वाटर और सीवर (टैरिफ और मीटरिंग) रूल 2026 के यह नियम 2012 के नियमों की जगह लेंगे। इनसे नए कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। साथ ही बिलिंग, टैरिफ, इंफ्रास्ट्रक्चर और सिक्योरिटी डिपॉजिट के लिए साफ नियम भी लागू होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब घरें या गैर-घरेलू यूनिट्स में पानी के अलग-अलग कनेक्शन दिए जा सकेंगे, चाहे बिल्डिंग कितनी भी ऊंची क्यों न हो। तकनीकी रूप से यह मुमकिन हो और तय शर्तें पूरी की जाएं। हालांकि, उपभोक्ताओं को 17.5 मीटर से कम ऊंचाई पर पानी स्टॉक करने के इंतजाम करने होंगे। अधिकारी ने बताया 2012 के नियमों के तहत एक रिहायशी बिल्डिंग में 6 से अधिक पानी के कनेक्शन मंजूर नहीं किए जा सकते थे। हालांकि, अब नए नियमों के तहत तय शर्तों को पूरा करने पर सभी प्लैट्स के लिए अलग-अलग कनेक्शन लेने की इजाजत है। इसके लिए हर घर में किचन का होना जरूरी



है। 2026 के नियमों का मकसद नए पानी के कनेक्शन देने और अनधिकृत कनेक्शन को नियमित करने की प्रक्रिया को तेज करना भी है। एक अधिकारी ने बताया, आवेदकों को

अभी पानी का नया कनेक्शन लेने में करीब 40-50 दिन लग सकते हैं। इसमें साइट इस्पेक्शन, डिमांड नोट जारी करना और फिर कनेक्शन चालू करना शामिल है। नई व्यवस्था के

तहत, पहले मंजूरी दी जाएगी और उसके बाद साइट इस्पेक्शन किया जाएगा। अधिकारी ने आगे कहा, मौजूदा प्रक्रिया के तहत, पहला कदम आवेदन और जरूरी फीस जमा करना है। आवेदन के 7-15 दिनों के अंदर एक जुनियर इंजीनियर साइट इस्पेक्शन करता है। अगर साइट सही पाई जाती है तो 3-5 दिनों के अंदर आवेदक को पेंमेंट के लिए डिमांड नोट जारी किया जाता है। पेंमेंट जमा होने के 15-30 दिनों के अंदर कनेक्शन चालू कर दिया जाता है। हालांकि, नए नियमों के तहत एक ऐसा सिस्टम बनाया जा रहा है, जिसमें कनेक्शन पहले दिया जाता है और इस्पेक्शन बाद में किया जाता है।

नोएडा-ग्रेनो में नवरात्र से पहले ही 9 हजार गाड़ियों की बुकिंग, इन कीमत की कारों पर फोकस

नोएडा,एजेंसी। नवरात्र में नोएडा और ग्रेटर नोएडा के ऑटोमोबाइल बाजार में जोरदार तेजी आई है। शुभ मुहूर्त के 9 दिनों में 9,000 से अधिक नए वाहनों की डिलीवरी की तैयारी है। शुभ मुहूर्त में वाहन घर ले जाने के लिए लोगों ने पहले से बुकिंग कर रखी है। डीलरों के अनुसार, आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ सकती है। नए मॉडलों की लॉन्चिंग, त्योहारी छूट और शुभ दिनों में वाहन खरीदने की परंपरा से मांग बढ़ी है। नवरात्र 11 से 19 अक्तूबर तक हैं। इन दिनों में डिलीवरी के लिए बड़ी संख्या में वाहन बुक किए गए हैं। दोपहिया और चार पहिया वाहन डीलरों के अनुसार नवमी पर डिलीवरी की मांग अधिक है। कर्मा हुडई के मुख्य बिजनेस अधिकारी मोहम्मद इमरान ने बताया कि नवरात्र में कारों की बुकिंग को लेकर ग्राहकों में उत्साह है। दो शोरूम से 150 से अधिक कारों की डिलीवरी की तैयारी है। मॉडल और कीमत के आधार पर ग्राहकों का रुझान अलग-अलग है। सागर मोटर्स के जीएम सेल्स दीपक वर्मा ने बताया कि नोएडा-ग्रेटर नोएडा के 5 शोरूम से 800 से अधिक वाहनों की डिलीवरी होगी। ग्राहक कम बजट वाली कारों पर टूट पड़ रहे हैं। आलम यह कि इस बार 10 लाख रुपये तक कीमत वाली कारों की बुकिंग सबसे ज्यादा है। मारुति, महिंद्रा समेत अन्य कंपनियों की 2,000 से अधिक कारों की डिलीवरी नवरात्र में होने की तैयारी है। दोपहिया वाहन डीलरों के अनुसार, एक सामान्य डीलरशिप से नवरात्र के दौरान औसतन 50 से 150 वाहनों की डिलीवरी होने की उम्मीद है। मांग को देखते हुए कई डीलरशिप पर डिलीवरी और पंजीकरण की तैयारियां बढ़ा दी गई हैं। नवरात्र के बाद धनतेरस पर ऑटोमोबाइल बाजार में वाहनों की बिक्री और डिलीवरी बढ़ने की उम्मीद है। पितृपक्ष समाप्त होने के बाद त्योहारी सीजन में प्री-बुकिंग और एडवांस बुकिंग में भी तेजी आने की संभावना है। डीलरों और वाहन कंपनियों ने त्योहारी मांग को देखते हुए स्टॉक और डिलीवरी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। परिवहन विभाग के अनुसार, पिछले साल नवरात्र में 8,700 से अधिक वाहनों का पंजीकरण हुआ था। इनमें दोपहिया वाहनों की संख्या अधिक थी। इस बार डीलरशिप पर बुकिंग और डिलीवरी की तैयारियां पिछले साल से अधिक हैं।

गुरुग्राम को नई ऊर्जा देगा देश का पहला तीर्थंकर वनम्; 5 एकड़ में 24 ध्यान स्थल और क्या-क्या खास

गुरुग्राम,एजेंसी। गुरुग्राम में देश का पहला तीर्थंकर वनम् स्थापित किया गया है। अरावली की गोद में बने इस अनूठे वन का उद्घाटन शनिवार को हरियाणा के पर्यावरण, वन और वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने किया। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) ने अरावली में पांच एकड़ पर तीर्थंकर वनम् स्थल विकसित किया गया है। हर तीर्थ स्थल पर तीन पेड़ लगाए गए हैं। दस महीने में विकसित हुए इस तीर्थंकर में करीब दो करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए। कोई भी व्यक्ति सूर्य उदय से पहले यहां ध्यान योग कर सकता है। प्रवक्ता अभय जैन ने बताया कि इस तीर्थंकर वनम् परिसर में 24 ध्यान स्थल हैं। हर स्थल 24 जैन तीर्थंकरों में से एक को समर्पित है। हर तीर्थ स्थल के पास तीन-तीन पेड़ लगाए गए हैं, इसका रखरखाव करना चुनौती बन गई है। गुरुग्राम चैप्टर फाउंडेशन की ओर से अरावली की शृंखला में स्थापित तीर्थंकर वनम् का मंत्री ने भ्रमण कर यहां पौधरोपण भी किया। वन

विभाग के साथ एमओयू के तहत आवंटित सरकारी वन भूमि पर यह तीर्थंकर वनम् विकसित किया गया है। वन प्रेमियों के लिए जीतो की ओर से यह अच्छी शुरुआत की गई है। लोगों को भी इन्हमें भागीदारी देनी चाहिए। जीतो गुरुग्राम चैप्टर के अध्यक्ष संजय जैन कहा कि तीर्थंकर वनम् अपने आप में एक ऐसा नाम है, जो सुनाई देने भर से ही व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। जब व्यक्ति यहां का भ्रमण करने आगे तो यह अपनी ऊर्जा से हर किसी को अच्छा अहसास देगा। उन्होंने कहा कि अरावली की हरियाली के बीच यह एक नया प्रयोग पूरी तरह से सफल रहेगा। जो रहे नुकसान पर कार्रवाई की मांग की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि अधिकारी आंखें बंद करके नहीं बैठ सकते हैं। याविका में अवैध पेड़ कटाई और प्रदूषण से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर कार्रवाई की जा कि गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने कहा कि अधिकारी आंखें बंद करके नहीं बैठ सकते हैं। याविका में अवैध पेड़ कटाई और प्रदूषण से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर कार्रवाई की मांग की गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) और दिल्ली सरकार को नोटिस अनिल जैन, जीतो गुरुग्राम चैप्टर के अध्यक्ष संजय जैन समेत कई लोग मौजूद रहे।

नोएडा में इन दो मेट्रो स्टेशन के बीच अब बिना सड़क पर उतरे इंटरचेंज, समय की बचत; स्काईवॉक शुरू

नोएडा,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में नोएडा सेक्टर-51 और सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन को आपस में जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित स्काईवॉक मार्ग के उद्घाटन से दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) और नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के दोनों मेट्रो स्टेशनों के बीच यात्रियों की आवाजाही पहले के मुकाबले अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाएगी। रविवार को नोएडा विधायक पंकज सिंह ने स्काईवॉक का उद्घाटन के बाद संवादाताओं को बताया कि करीब 460 मीटर लंबे इस स्काईवॉक का शुरु होना नोएडा में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इससे रोजाना 20 हजार से अधिक यात्रियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। स्काईवॉक के माध्यम से यात्री बिना



सड़क पर उतरे एक मेट्रो स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। इससे समय की बचत के साथ-साथ सड़क पर पैदल चलने और यातायात के बीच से गुजरने का जोखिम भी कम होगा। स्काईवॉक के शुरु होने से खासतौर पर उन यात्रियों को राहत मिलेगी, जिन्हें दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की मेट्रो सेवाओं के बीच इंटरचेंज करना पड़ता है। इस कनेक्टिविटी से दोनों मेट्रो नेटवर्क के बीच यात्रियों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा और नोएडा में सार्वजनिक परिवहन को अधिक

प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक पंकज सिंह द्वारा फीता काटकर की गई। इसके बाद अधिकारियों और अन्य लोगों की मौजूदगी में स्काईवॉक का औपचारिक उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के बाद विधायक पंकज सिंह ने स्वयं स्काईवॉक पर पैदल चलकर इसकी सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से निर्माण और यात्रियों की सुविधा से जुड़ी जानकारी भी ली। बताया गया कि लगभग 460 मीटर लंबे इस स्काईवॉक का निर्माण करीब 37 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सेक्टर-51 स्थित नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन स्टेशन और सेक्टर-52 स्थित दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन स्टेशन के बीच यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है।

रोहिणी कोर्ट में कल वकीलों की हड़ताल, पुलिस अधिकारियों के प्रवेश पर लगाएंगे रोक

कॉम्प्लेक्स में न्यायिक कामकाज से पूरी तरह ठप रहेगा। एसोसिएशन ने यह भी कहा है कि सोमवार को किसी भी जिले के पुलिस अधिकारी को कोर्ट परिसर में घुसने नहीं दिया जाएगा। बार के प्रेसिडेंट राजीव तेहरान और ऑनररेरी सेक्रेटरी प्रदीप खत्री के साइन वाले नोटिस में कहा गया है कि 29 सितंबर को महेंद्र पार्क पुलिस स्टेशन में वकील कमलदीप के साथ कथित तौर पर बदसलूकी और मारपीट की गई थी। बार की एजीक्यूटिव कमटी ने इस मामले को जॉइंट कमिशनर ऑफ पुलिस, डीसीपी (नॉर्थ-वेस्ट) और प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज (नॉर्थ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट) के सामने उठाया था। संबंधित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी बात की गई थी। नोटिस में दावा किया गया है कि इन बातचीत के दौरान डीसीपी ने भरोसा दिया था कि दोषी पुलिस

अधिकारियों के खिलाफ सख्त और उचित कार्रवाई की जाएगी। एसोसिएशन का आरोप है कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय कमलदीप के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया गया है। यही नहीं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भरोसे के बावजूद एजीक्यूटिव कमटी को केस दर्ज किए जाने के बारे में जानकारी तक नहीं दी। एजीक्यूटिव कमटी ने इस व्यवहार को मनमाना करार दिया है। एजीक्यूटिव कमटी ने मामले के आगे बढ़ने के तरीके को पूरे कानूनी समुदाय के साथ विश्वासघात करार दिया है। एसोसिएशन की ओर से कहा गया है कि वकीलों की गरिमा, सुरक्षा और पेशेवर आजादी से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता है। एसोसिएशन एजीक्यूटिव कमटी को पुलिस अधिकारियों की ओर से गुमराह किए जाने की

10 साल की बच्ची से रेप के आरोपी की सजा रद्द, दिल्ली हाई कोर्ट ने क्यों दिया ऐसा फैसला

नई दिल्ली,एजेंसी। पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज होने वाले मामलों और आरोपी के खिलाफ दोषी होने की कानूनी धारणा को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कहा है कि पॉक्सो कानून में कड़े प्रावधान होने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए हर आरोप को ही आखिरी सत्य मान लिया जाए। हाईकोर्ट ने जोर देकर कहा कि कोर्ट का यह प्राथमिक और मौलिक कर्तव्य है कि वे सबूतों और गवाहों का निष्पक्ष विश्लेषण करें। इसी टिप्पणी के साथ जस्टिस मधु जैन की पीठ ने बुराई थानाक्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी सूरज कुमार को सुनाई गई 20 साल की कठोर कारावास की सजा और साढ़े दस लाख रुपए के मुआवजे के आदेश को रद्द कर दिया और उसे तत्काल रिहा करने का आदेश जारी किया है। मामला साल 2022 का है। आरोप था कि आरोपी ने दस साल की बच्ची को अपने कमरे में ले जाकर उसके साथ रेप किया।

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उच्च मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण), उत्तर रेलवे, शिवाजी ब्रिज, नई दिल्ली निम्न लिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।	
1। कार्य शकुरबस्ती कोथिंग टर्मिनल के निमिर्ण के सिलसिले में, वॉशबेज एग्रन PF लाइट्स, का पार्सल ऑफिस, पानी की सलाई सिस्टम (RO प्लांट, O/M और UG टैंक) और पानी नाम शीसाइलिंग प्लांट (सर्विस रोड सॉलिंग) के लिए इलेक्ट्रिकल बेलेस का काम)	
2। कार्य सामान्य अवधि	12 महीने
3। अनुमानित लागत	₹. 1,01.31,861.41/-
4। धरोहर राशि	₹. 2,02,700/-
5। ई-निविदा जमा करने एवं निविदा खुलने की तिथि व समय	निविदा दिनांक 27.10.2026 समय 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड कर सकते हैं। निविदाकर्ता ई-निविदा में मांग ले सकते हैं। निविदा दिनांक 27.10.2026 समय 15:00 बजे खोला जाएगा।
6। निविदा सूचना एवं निविदा प्रघ्न की जानकारी	विस्तृत निविदा सूचना उत्तर रेलवे वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा पत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 13.10.2026 से 27.10.2026 तक जमा करने के लिए उपलब्ध रहेगा। उधरसे कि निविदा के अन्य सभी नियम एवं शर्तें निविदा पत्र में दिये गये हैं। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
संख्या: 17- वि/ उप म. वि. अभि/नलीटी/173 दिनांक: 05.10.2026	3438/26
ग्राहकों की सेवा में सुस्काक के साथ	

उत्तर रेलवे	
खुली निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल इंजीनियर-ट्रैक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।	
कार्य का नाम	31240 घन मीटर (Cum) 65 मिमी गेज के मशीन-क्रशर हाई स्टोन बैलस्टर की आपूर्ति, स्टैकिंग, लोडिंग एवं अनलोडिंग का कार्य, जो रेलवे विनियम IS/IRDSO-GE/0001:2023 (फरवरी 2023) तथा नवीनतम Correction Sheets के अनुरूप हो। बैलस्टर रामकुमारपुरा खनन क्षेत्र, ग्राम रामकुमारपुरा, तहसील खेतड़ी, जिला बुंदेलु, राजस्थान, अथवा खानक खनन क्षेत्र (HSSIDC के नियंत्रणधीन), तहसील लोथाम, जिला भिवानी, हरियाणा, अथवा उपरोक्त के समान गुणवत्ता वाले मशीन-क्रशर हाई स्टोन बैलस्टर का उत्पादन करने वाले किसी अन्य खनन स्रोत से प्राप्त किया जाएगा। उक्त बैलस्टर को DEN/Track/DLI के अधीन Jind Ballast Depot के Sub Depot No.2 पर आपूर्ति एवं स्टैक किया जाएगा। (निविदा आमंत्रण सूचना 08-26-27-डब्ल्यू-सी)
अनुमानित लागत	₹.6,56,93,301.32/-
धरोहर राशि	₹.13,13,900.00/-
ई-निविदा भरने का दिनांक और समय ई-निविदा खुलने का दिनांक और समय	ई-निविदा भरने का समय शुरू दिनांक 14.10.2026 को 15:00 बजे से निविदा खुलने का समय — ई- निविदा खुलने का दिनांक 28.10.2026 को 15:00 बजे तक।
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रघ्न खरीदा जा सकता है।	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है
पत्रसंख्या 128-डब्ल्यू/ व.नं.अभि./सं/निविदा आमंत्रण सूचना -08-26-27-डब्ल्यूसी दिनांक: 05.10.2026	3446/2026
ग्राहकों की सेवा में सुस्काक के साथ	

उत्तर रेलवे	
ई-निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या 230-TRS-GZB-2026-27-15-RT के आधार पर ई- निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।	
1. कार्य का विवरण:	'Comprehensive Repair/Renewal of CCB brake system in three phase electric locomotives' at Electric Loco Shed Ghaziabad.
2. कार्य की अनुमानित लागत:	₹ 5,59,43,328.00
3. धरोहर राशि:	₹ 11,18,900.00
4. निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समय:	19-10-2026 (15:00 Hrs.)
5. निविदा खोलने की तिथि और समय:	19-10-2026 (After 15:00 Hrs.)
6. वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in
नोट: (i) निविदाकर्ता को ई निविदा प्रणाली में मांग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए। (ii) सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज़ देखें। (iii) कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं हैं।	
संख्या 230-TRS-GZB-2026-27-15-RT दिनांक: 24.09.2026	3437/2026
ग्राहकों की सेवा में सुस्काक के साथ	

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / माल भाड़ा, दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे, रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022 / टीसी (एफएम) / 10 / 04 दिनांक 13.06.2022 और रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2024/RS(G)/779/7(E3471089) दिनांक 13.08.2024, के अनुसार दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में एसएलआर कम्पार्टमेंट और पार्सल वान (राउंड ट्रिप के आधार पर) के स्थान को 03 वर्षों के पड़े पर देने के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलीयां आमंत्रित की जाती है:

क्रम संख्या	ई-नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	एससेट्स जिनकी नीलामी की जानी है
1	09/10/2026 को 10:30 बजे	12212(F1), 12420(F1), 12445(F1), 12452(R1), 12506(F1), 12630(F1), 12780(F1), 15304(F1, R1), 22420(F1), 22806(F1), 22858(F1).
2	12/10/2026 को 10:30 बजे	12005(F1), 12011(F1), 12013(F1), 12015(F1), 12034(F1), 12045(F1), 12156(R1) (बुध, शुक्र), 12270(R1), 12428(F1), 12481(F1, R1).
3	14/10/2026 को 10:30 बजे	12017(F1), 12040(F1), 12055(F1), 12057(F1), 12444(F1), 12448(F1), 12455(F1), 12528(F1, R1), 12722(R1) (बुध, शुक्र), 14152(F1), 14212(F1), 15530(F1), 15622(F1), 20452(F1), 22168(F1), 22210(F1).
4	16/10/2026 को 10:30 बजे	12265(F1), 12562(R1) (बुध, शुक्र), 12596(F1), 12626(R1) (बुध, शुक्र), 12918(F1), 12958(R1) (बुध, शुक्र), 14014(F1), 14056(R1), 14164(F1), 14341(F1), 14679(F1), 14681(F1, R1), 15035(F1, F2, R1), 19404(F1, R1), 20156(R1) (बुध, शुक्र), 22428(F1), 22950(F1).

महत्वपूर्ण सूचना:

1 ई-नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इस्क्रूक बोली दाताओं को <https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning-centre.html>, (E-Auction/leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है।

2 रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन निविदाओं / अनुबंधों को समाप्त करने का सम्पूर्ण अधिकार रखता है या इनके संबंध में किसी भी संशोधन अथवा अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन निविदाओं अथवा अनुबंधों के बीच में ही समाप्त करने अथवा जारी रखने के संबंध में, जो की इन ट्रेनों के जारी रहने अथवा समाप्त होने की स्थिति पर निर्भर करता है।

3440/2026

ग्राहकों की सेवा में सुस्काक के साथ



एक नज़र

ससुराल में पत्नी को देखकर आपा खो बैठा पति, साली को भी कर दिया लहलुहान, भतीजे को भी नहीं छोड़ा

बरारामपुर,एजेंसी। यूपी के बलरामपुर जिले में एक परिवारिक विवाद में जमकर खून खराबा हो गया। शराब के नशे में ससुराल पहुंचे युवक ने पत्नी को देखते ही आपा खो दिया। युवक ने अपनी पत्नी, साली और भतीजे पर चाकू से हमला कर दिया। पत्नी से विवाद के बाद आरोपी ने अचानक चाकू निकालकर हमला शुरू कर दिया। पत्नी को बचाने पहुंची उसकी छोटी बहन और भतीजा भी उसकी चपेट में आ गए। तीनों के घायल होने से घर में चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गंभीर हालत में साली अंजनी को जिला मेमोरियल अस्पताल रेफर किया गया है, जबकि पत्नी गुड़िया और भतीजे धर्मेन्द्र का उपचार सीएचसी पचपेड़वा में चल रहा है। पचपेड़वा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव निवासी रामदेव यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी गुड़िया की शादी करीब दो वर्ष पहले सिद्धार्थनगर जिले के देरुआ थाना क्षेत्र के धनौरी निवासी श्यामू यादव से हुई थी। पारिवारिक विवाद के चलते गुड़िया कुछ समय से अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि एक अक्तूबर की शाम करीब 7.30 बजे श्यामू शराब के नशे में ससुराल पहुंचा। वहां पत्नी से गाली-गलौज करने लगा। परिवार के लोगों ने विरोध किया तो विवाद बढ़ गया। इसी दौरान श्यामू ने चाकू निकालकर पत्नी गुड़िया पर हमला कर दिया। पत्नी को बचाने के लिए उसकी छोटी बहन अंजनी आगे आई तो आरोपी ने उस पर भी चाकू से वार कर दिया। इसके बाद भतीजे धर्मेन्द्र यादव को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। अचानक हुए हमले से तीनों घायल होकर गिर पड़े। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। लोगों को आता देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला। परिजनों ने आनन-फानन में तीनों घायलों को सीएचसी पचपेड़वा पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद अंजनी की हालत गंभीर होने पर उसे जिला मेमोरियल अस्पताल रेफर कर दिया गया। अंजनी को अस्पताल के सर्जिकल वार्ड में भर्ती किया गया है। गुड़िया और धर्मेन्द्र का सीएचसी में उपचार चल रहा है। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर आरोपी श्यामू यादव के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गरबा में डांस, सिंगिंग और न्यूजिक बजाने वाले सिर्फ हिंदू समाज के होने चाहिए; विश्व हिंदू परिषद का बड़ा बयान
प्रयागराज,एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद ने आग्रह किया है कि नवरात्रि में आयोजित होने वाले गरबा कार्यक्रमों में पंडाल में नृत्य करने वाले, संगीत बजाने वाले तथा गायक हिंदू समाज के लोग ही हों। विहिप काशी प्रांत के प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण ने रविवार को मीडिया के समक्ष कहा कि सनातन के प्रमुख त्योहार पर हमारा आर्थिक एवं सांस्कृतिक व्यवहार उन्हीं लोगों के साथ होना चाहिए, जो स्वयं इनको धार्मिक भाव से मनाते हों। बताया कि अशोक सिंहल जन्म शताब्दी वर्ष में सेवा, समरसता, हिंदू सशक्तीकरण जैसे कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। इसी कड़ी में मंगलवार को 4.30 बजे से एएमएस सभागार में सांस्कृतिक चेतना संगोष्ठी होगी। इसमें विहिप के केंद्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य समेत प्रमुख संत शामिल होंगे। वर्षभर विचार गोष्ठियों, सभाओं एवं अन्य प्रकार के कार्यक्रम होंगे। स्वदेशी एवं गोरक्षा के कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ शारदीय नवरात्र में महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रम होंगे। काशी प्रांत में सेवा बरितयां चिह्नित की गई हैं जहां सेवा कार्य का विस्तार होना है। काशी प्रांत के प्रांत मंत्री डॉ. राज नारायण ने कहा कि अयोध्या धाम की मुक्ति के बाद संगठन को आशा है कि इस वर्ष में हम काशी और मथुरा की मुक्ति के अशोक सिंहल के महान संकल्प को आगे बढ़ाएंगे। अवैध धर्मांतरण पर प्रतिबंध, घर वापसी को बढ़ावा, वेदों के ज्ञान का प्रचार-प्रसार, मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति, सामाजिक समरसता एवं सेवा के अधूरे कार्यों को काशी प्रांत में गति दी जाएगी। धर्मान्तरण प्रभावित स्थानों पर संगठन के सत्संग की संख्या बढ़ायी जाएगी जो समाज और संगठन के बीच सेतु बनेंगे। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से संबंधित मीडिया के सवाल पर डॉ. राज नारायण ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के नायक अशोक सिंहल होते तो शायद यह घटना न होती। उन्होंने कहा कि वैसे तो कोई घटना कहीं भी हो सकती है और इस मामले में कानूनी कार्रवाई चल रही है। इस दौरान महानगर उत्तर अध्यक्ष अजय गुप्ता, महानगर दक्षिण अध्यक्ष संजय गुप्ता, विभाग संगठन मंत्री आलोक प्रताप, विभाग मंत्री बुजभूषण सिंह, प्रांत कार्यालय प्रमुख सुनील आदि उपस्थित रहे।

फिरोजाबाद की टायर फैक्ट्री में भीषण आग; कई किमी दिखीं आग की लपटें, सांस लेना हुआ दूभर
फिरोजाबाद,एजेंसी। यूपी के फिरोजाबाद जिले में रविवार को एक टायर फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना शिकोहाबाद क्षेत्र के उरमूरा नौशेरा इलाके की है। पुराने टायरों को री-ट्रेंड करने और उनसे तेल निकालने वाली फैक्ट्री में अज्ञात कारणों से आग लगी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। फैक्ट्री से निकलता काला धुआं काफी दूर तक दिखाई दिया, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही जिले के सभी अग्निशमन केंद्रों से दमकल की गाड़ियां मौके के लिए रवाना की गईं। करीब छह दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस और प्रशासन की

जब सीट होगी तभी जीत होगी; सीट बंटवारे पर अखिलेश को इमरान मसूद का जवाब

लखनऊ,एजेंसी। यूपी चुनाव 2027 से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर सहमति बनती नहीं दिख रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को एक्स पर पोस्ट करके हुए कहा था कि गठबंधन में बात सीटों की नहीं, बल्कि जीत की होनी चाहिए। जिसके बाद अब यूपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद ने इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की यह बात सुनने में अच्छी लगती है कि बात सीट की नहीं, जीत की होगी, लेकिन जब सीट ही नहीं होगी तो जीत कैसे होगी उन्होंने कहा कि सीट होगी, तभी जीत होगी। साथ ही उन्होंने सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे के मुद्दे को जल्द सुलझाने की जरूरत बताई। इमरान मसूद ने कहा कि सपा अध्यक्ष के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गठबंधन की जीत जरूरी है, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए सीटों का बंटवारा भी जरूरी है। माना जा रहा है कि इमरान मसूद की यह टिप्पणी यूपी में दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर चल रही चर्चा के बीच महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ समय से वह गठबंधन में कांग्रेस को अधिक सीटें मिलने की जरूरत को लेकर बयान देते रहे हैं। दरअसल, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए गठबंधन के सहयोगी दलों को एकजुटता का संदेश दिया था। उन्होंने लिखा था, मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफ़र आसान होता है। इसके बाद उन्होंने कहा कि गठबंधन में कितनी सीटें हैं या कौन सी सीट किस दल के पास जा रही



है, यह बड़ी बात नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि सभी मिलकर गठबंधन की जीत सुनिश्चित करें। सपा प्रमुख ने दोहराया था कि बात सीट की नहीं जीत की है। उन्होंने कहा कि यह जीत गठबंधन के दलों से बढ़कर उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी, जो साम्प्रदायिकता के खिलाफ

बीवी को तलाक देकर मुझसे शादी करो, मना करने पर बौखलाई प्रेमिका ने प्रेमी को चलने लायक नहीं छोड़ा
बरेली,एजेंसी। यूपी के बरेली जिले से प्रेम-प्रसंग का एक हैरान-परेशान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती का शादीशुदा युवक से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। युवती प्रेमी से शादी करना चाह रही थी। उसको लेकर युवती प्रेमी पर अपनी बीवी को तलाक देने का दबाव बना रही थी। युवती प्रेमी से कह रही थी कि वह अपनी पहली बीवी को तलाक देकर उससे शादी कर ले। इस पर प्रेमी ने मना कर दिया। बौखलाई प्रेमिका ने अपने भाइयों को बताया। प्रेमिका के भाइयों ने प्रेमी को चलने लायक तक नहीं छोड़ा। प्रेमी के दोनों हाथ-पैरों को बुरी तरह से तोड़ दिया। घटना के बाद प्रेमी के पिता ने पुलिस को शिकायत देकर प्रेमिका और उसके भाइयों के खिलाफ केस दर्ज कराया पूरा मामला भोजीपुरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पीड़ित युवक पप्पू ने बताया कि वह अपने क्षेत्र में एक वलीनिक पर दवा लेने गया था। उसका आरोप है कि उसकी प्रेमिका उसे लगातार फोन करके पहली बीवी को तलाक देने का दबाव बना रही थी। जब वह दवा लेने जा रहा था तो प्रेमिका ने उसे फोन किया और एक स्थान पर बुलाया। जब वह प्रेमिका के बताए स्थान पर पहुंचा तो प्रेमिका वहां भी उससे झगड़ा करने लगी और कहा कि वह अपनी पत्नी को छोड़ दे। लेकिन उसने प्रेमिका इस बात को मानने से इनकार कर दिया। इस पर प्रेमिका ने अपने भाइयों को इशारा कर दिया। प्रेमिका के भाइयों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर हमला बोल दिया और उसको बेरहमी से पीट डाला। जिसके चलते उसके दोनों हाथ-पैर टूट गए। गंभीर रूप से घायल पप्पू को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। पिता जाकिर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि हमलावरों ने बेटे को बेरहमी से पीटा है। हमलावरों ने बेटे का ईंट से सिर फोड़ दिया है। उसके हाथ-पैर बुरी तरह से तोड़ दिया है। शरीर में और भी कई जगह गंभीर चोटें हैं। बेटे को अघमरा करके हमलावर भाग निकले थे।

खुले नाले में गिरकर डूबने लगी 5 साल की बच्ची, लड़के ने कूदकर बचाई जान

गोरखपुर,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 5 साल की एक बच्ची खुले नाले में गिर गई। बच्ची की चीख सुनकर दौड़े लोगों में शामिल एक लड़के ने उसे नाले में डूबता देखा तो अपनी जान की पहचा न करते हुए नाले में कूद गया। उसने बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया और उसकी जान बचा ली। यह घटना गांधी जयंती घाटी दो अक्टूबर की रात साढ़े आठ बजे घनी। लोग बच्ची की जान बचाने वाले लड़के की सराहना के साथ ही आरोप लगा रहे हैं कि शहर में खुले नाले लोगों की जान पर भारी पड़ रहे हैं। हादसों के बाद भी खुले नालों को ढंकने और अधूरे निर्माण को पूरा कराने में कार्यदायी संस्थाएं लापरवाही बरत रही हैं। रामजानकीनगर में छोटा शनि मंदिर के पास किराए पर सहजनवा के उदयभान चौहान जंब जिंदा घर लौटा तो पहले परिवार फिर पुलिस हैरान रह गई। घटना बरेली के इज्जतनगर की है। यहां शुक्रवार को ट्रेन की चपेट में आकर मारे गए एक बुजुर्ग की पहचान रिटायर रेलकर्मी मंसाराम के रूप में हुई थी। पुलिस ने पंचनामा भर दिया। परिजनों ने भी शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शाम को उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। परिवार के लोग गम में डूबे घर लौटे ही थे कि कुछ देर बाद मंसाराम खुद जिंदा अपने घर पहुंच गए। उन्हें देखकर परिवार, रिश्तेदार और आसपास के लोग हैरान रह गए। इसके बाद पुलिस ने शव की असली पहचान की पड़ताल

दो भाइयों की हत्या में पांच गिरफ्तार, एक आरोपी का दावा- सपा सांसद और भाई ने फंसाया

बांदा,एजेंसी। यूपी के बांदा में नरेंरी थाना क्षेत्र के नंदवारा गांव में दो सगे मासूम भाइयों की हत्या कर शव गड्ढे में फिंपने के मामले में पुलिस ने दंपति समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों बच्चों के शव मौजूद ग्रामीणों से भी बात की गईं से बरामद हुए थे। पीड़ित परिवार से बात कर न्याय का भरोसा दिलाया। इस मौके पर उन्होंने वहां मौजूद ग्रामीणों से भी बात की। नन्दवारा गांव के भड़याराम राजपूत ने बताया कि 30 सितंबर की दोपहर 01 बजे दोनों बेटे 6 वर्षीय मनोज और 4 वर्षीय युवराज दरवाजे पर खेल रहे थे। वह गांव के ही देवी स्थान पर पूजा करने गए थे, जबकि पत्नी घर में थी। दोपहर 2 बजे जब वह लौटे, तो बच्चे गायब थे। पत्नी से पूछने पर पता चला वे बाहर खेल रहे थे। इसके बाद परिजनों ने बच्चों की तलाश की, लेकिन पता नहीं चला।

रही हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हैं। इस फैक्ट्री में इस साल पहले भी आग लगी थी। इस बार आग लगने का कारण जांच के बाद पता चलेगा। हमारी पहली प्राथमिकता आग बुझाना है, जिसके बाद कारण की जांच की जाएगी। आग इतनी भीषण थी कि फैक्ट्री से उठता घना काला धुआं आसमान में छा गया। आसपास रहने वाले लोगों को धुएं के कारण सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। आग की ऊंची लपटों और धुएं को देखकर बड़ी संख्या में लोग चिंतित नजर आए। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है। फायर ऑफिसर ने बताया कि इसी फैक्ट्री में इस साल पहले भी आग लग चुकी है। हालांकि रविवार को आग लगने की वास्तविक वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

बात सीट की नहीं जीत की है; सीट शेयरिंग पर कांग्रेस को अखिलेश की दो टूक

लखनऊ,एजेंसी। यूपी चुनाव पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही बयानबाजी बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सहयोगी दलों को एकजुटता का संदेश दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि गठबंधन में कितनी सीटें किस दल को मिलेंगी, यह महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि चुनाव में गठबंधन की जीत सुनिश्चित होनी चाहिए। अखिलेश ने कहा कि यह जीत सिर्फ गठबंधन के दलों की नहीं, बल्कि उन सभी लोगों की होगी, जो साम्प्रदायिकता के खिलाफ और लोकतंत्र, संविधान व आरक्षण की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया रहीं हैं। हमें लगभग 2.30 बजे सूचना मिली, जिसके बाद सभी स्टेशनों से तुरंत दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। वे लगातार आ

का माहौल बने। मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है निगाह मंजिल पर हो तो सफ़र आसान होता है! बात बड़ी ये नहीं है कि गठबंधन में कितनी सीटें या कौन सी सीट किसके पास जा रही है बात बड़ी ये है कि हम सबको ये सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो। फिर दोहराते हैं - बात सीट की नहीं जीत की है। ये जीत हमारे गठबंधन के दलों से बढ़कर हम सबकी उस संयुक्त कोशिश की जीत होगी जो इसलिए लगातार संघर्षरत है कि साम्प्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र-संविधान-आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए और देश का सौहार्द फिर से खिलखिलाए, देश की तरक्की और खुशहाली फिर से मुस्कुराए। जय संविधान-जय हिंदुस्तान! दरअसल चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन तथा सीटों के बंटवारे को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। दोनों दलों के नेताओं की ओर से समय-समय पर बयान सामने आने से गठबंधन की स्थिति को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। हाल ही में कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी अजय राय से हटाकर अराधना मिश्रा मोना को सौंप दी है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि अराधना मिश्रा के अखिलेश यादव से बेहतर राजनीतिक संबध गठबंधन की संभावनाओं को मजबूत कर सकते हैं। वहीं, कांग्रेस ने इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है।

दो भाइयों की हत्या में पांच गिरफ्तार, एक आरोपी का दावा- सपा सांसद और भाई ने फंसाया

इसके बाद यूपी 112 पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची नरेंरी पुलिस ने तलाश की तो शाम 07 बजे गांव के ही राधेश्याम की दुकान के पीछे बने गड्ढे से दोनों मासूमों के शव मिले। दोनों के मुंह से खून आ रहा था, जिससे साफ था कि उनकी गला दबाकर या बेरहमी से मारपीट की गयी, जिससे साफ था कि उनकी गला दबाकर या बेरहमी से मारपीट की गयी। शनिवार को सूचना पर नरेंरी पुलिस ने पनगरा नहर पुलिया के पास हड़्डा-कबौली मार्ग से पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों में नंदवारा के भवानीदीन, पुत्र अखिलेश, पत्नी श्यामलली, रामप्रसाद और सुरेन्द्र शामिल हैं। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जा रहा है, जबकि नामजद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

बिजनौर में जनसभा रद्द होने पर भड़के स्वामी प्रसाद मौर्य, बोले- प्रशासन को हाईकोर्ट में तलब करवाएंगे

बिजनौर,एजेंसी। अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य की बिजनौर के शेरकोट में प्रस्तावित जनसभा की अनुमति निरस्त होने पर सियासत गरमा गई है। मीडिया से बातचीत में स्वामी प्रसाद मौर्य ने बिजनौर पुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह अधिकारों का हनन है। बिजनौर पुलिस प्रशासन के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि अनुमति की सूचना डेढ़ महीना पहले दी गई थी, एक दिन पहले अनुमति निरस्त करने का कोई औचित्य नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने 25 लाख रुपये खर्च कर जनसभा की तैयारी कर रखी थी, जगह-जगह फोर व्हीलर बुक किए थे। कार्यक्रम निरस्त होने से गाड़ियां रोकी गईं। बड़े पैमाने पर मुंच और पंडाल उखाड़ा गया। इसकी जवाबदेही कौन लेगा। गठबंधन को लेकर पूछे सवाल पर मौर्य ने कहा कि अभी पहली बैठक हुई है। पहली बैठक में ही सब कुछ तय नहीं होता। वार्ता सकारात्मक और संतोषजनक रही। आगे भी कई बैठकें होंगी। सीटों पर समय आने पर फैसला होगा। मौर्य ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में करोड़ों युवा बेरोजगार हो रहे हैं। सरकारी भर्तियां बंद हैं, जिससे एससी-एसटी-ओबीसी का आरक्षण स्वतः खत्म हो गया। 80 करोड़ लोगों की जिंदगी पांच किलो राशन पर चल रही है। यह सरकार एक लाख 14 हजार सरकारी प्राइमरी स्कूल बंद कर चुकी है। हर 500 मीटर पर शराब की दुकान खुल रही है, लेकिन स्कूल बंद हो रहे हैं।

खेसारी को मेरे जैसी प्यार करने वाली नहीं मिलेगी': काजल राघवानी

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में एक्टर खेसारी लाल यादव और एक्ट्रेस काजल राघवानी के अफेयर और ब्रेकअप के किस्से आम हैं। ब्रेकअप के बाद भी काजल राघवानी खेसारी लाल को भूला नहीं पाई हैं। अब अभिनेत्री काजल राघवानी एक बार फिर अभिनेता खेसारी लाल यादव के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं।

दरअसल, रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल सीजन 2' के हालिया एपिसोड में काजल ने मनीष कश्यप के साथ बातचीत

के दौरान खेसारी लाल के साथ अपने करीब पांच साल पुराने रिश्ते और उससे मिली सीख के बारे में बात की।

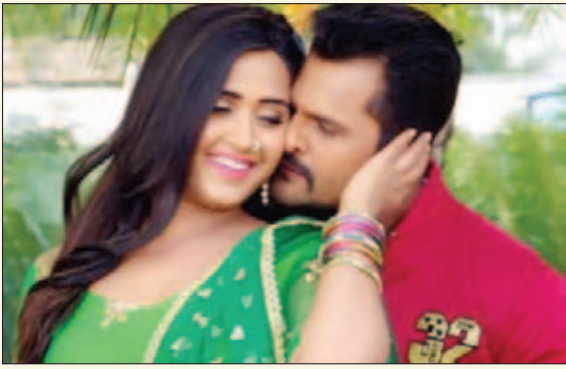
खेसारी के साथ काम को बताया सबसे अच्छा अनुभव: शो के बेसमेंट में मनीष कश्यप ने काजल से पूछा कि भोजपुरी इंडस्ट्री में उन्हें किस अभिनेता के साथ काम करना सबसे अच्छा लगा। इस पर काजल ने बिना किसी झिझक के खेसारी लाल यादव का नाम लिया। 'साथ काम करते-करते आकर्षण हुआ और प्यार हो गया' इसके बाद मनीष ने काजल

से सीधे सवाल किया कि जब खेसारी पहले से शादीशुदा थे, तो उन्हें उनसे प्यार कैसे हुआ? इस पर काजल ने कहा कि वह पहली लड़की नहीं हैं, जिसे किसी शादीशुदा व्यक्ति से प्यार हुआ हो। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियां सामने आईं, दोनों साथ काम कर रहे थे, इसी दौरान आकर्षण हुआ और फिर प्यार हो गया।

काजल बोली- कोई फ्री में 5 साल रहता है क्या? मनीष ने आगे पूछा कि क्या खेसारी की तरफ से भी प्यार

था? काजल ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि 'फालतू का कोई फ्री में 5 साल रहता है क्या? मेरे जैसी मिलेगी नहीं उनको प्यार करने वाली।' काजल ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि खेसारी उन्हें जीवनभर याद करेंगे और शायद आज भी याद करते होंगे।

काजल का खुलासा- जिससे प्यार किया, उसी ने की मारपीट: इससे पहले शो के में काजल ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में एक बेहद दर्दनाक दौर का खुलासा किया था।



बॉलीवुड अपडेट



दृश्यम-3 ने 2 दिन में कमाए 177 करोड़

अजय देवगन स्टारर फिल्म 'दृश्यम 3' ('दृश्यम: द कंकलूजन') ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत शुरुआत की है। रिलीज के शुरुआती दो दिनों में ही फिल्म ने दुनियाभर में 177 करोड़ रुपए का ग्रांस कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही यह फिल्म इस साल की टॉप 10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने दो दिनों में 115.50 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया है। वहीं, 'दृश्यम 3' के थिएटरस में आने से पहले से चल रही फिल्म 'हनुमान अंश' की कमाई की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी है।

दूसरे दिन भारत में कमाए 53.50 करोड़ रुपए: ट्रेड रिपोर्टर के मुताबिक, 2 अक्टूबर को रिलीज हुई फिल्म 'दृश्यम 3' की एडवांस बुकिंग 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की रही थी। फिल्म ने पहले दिन शुक्रवार को दुनियाभर में 93 करोड़ रुपए का कलेक्शन दर्ज किया था। दूसरे दिन शनिवार को भी फिल्म की अच्छी पकड़ बनी रही। भारत में शनिवार को फिल्म ने 53.50 करोड़ रुपए का नेट बिजनेस किया, जबकि शुक्रवार को 62 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी। दो दिनों में फिल्म का भारत में कुल ग्रांस कलेक्शन 138.60 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

सलमान की 'सिकंदर' और पहली 'दृश्यम' का रिकॉर्ड टूटा: 'दृश्यम 3' की दो दिनों की कमाई ने कई बड़ी फिल्मों के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने सलमान खान की 'सिकंदर' के 176 करोड़ रुपए के कुल कलेक्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसके साथ ही फिल्म ने साल 2015 में रिलीज हुई फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 'दृश्यम' के 107 करोड़ रुपए के लाइफटाइम बिजनेस को भी शनिवार सुबह पार कर लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में फिल्म ने अब तक 4 मिलियन डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपए) का कारोबार किया है।

फिल्म में पुरानी स्टारकास्ट के साथ नए चेहरे भी शामिल: अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी 2 अक्टूबर के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में अजय देवगन (विजय सालगांवकर), तबू, श्रिया ससन, रजत कपूर, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और कमलेश सावंत अपने पुराने किरदारों में लौटे हैं। फिल्म में सौरभ शुक्ला का कैमियो रोल है। वहीं, इस तीसरे पार्ट में जयदीप अहलावत और प्रकाश राज नए किरदारों के रूप में फ्रैंचाइजी से जुड़े हैं।

'मेरे खिलाफ बहुत नेगेटिविटी चल रही थी

सलमान खान ने बताया कि नेगेटिविटी के दौर में वह 'दस का दम' होस्ट करने को लेकर झिझक रहे थे। जिसके बाद उनके पिता सलीम खान ने उन्हें खुद पर भरोसा रखने की सलाह दी थी। सलमान ने यह बात शनिवार को टीवी शो 'विंग बॉस' में कही। उन्होंने कंटेस्टेंट्स को अपनी असली पर्सनैलिटी छिपाने और टकराव से बचने पर फटकार लगाई। सलमान ने कहा कि कंटेस्टेंट्स इसलिए खुलकर नहीं खेल रहे थे, क्योंकि उन्हें डर था कि वह वीकेंड पर डांटेंगे। उन्होंने कहा कि अगर गेम में कंटेंट नहीं होगा, तो वह क्या कहेंगे। सलमान खान ने कंटेस्टेंट्स से बिना डरे अपनी बात रखने और खुलकर खेलने को कहा। उन्होंने बताया कि पिछले हफ्ते कई कंटेस्टेंट्स काफी दबकर खेलते दिखे। इसके बाद सलमान ने अपनी जिंदगी का उदाहरण दिया। सलमान ने बताया कि उस वक्त उनके खिलाफ कोर्ट केस, रिलेशनशिप और फिल्मों से जुड़ी कई खबरें मीडिया में चल रही थीं। उन्होंने कहा कि अखबारों से लेकर टीवी चैनलों तक हर जगह उनके बारे में नकारात्मक बातें हो रही थीं। ऐसे में जब उन्हें 'दस का दम' ऑफर हुआ, तो उन्होंने पहले इसे करने से इनकार करने का मन बना लिया था।

सलमान ने पिता से शो को लेकर सलाह ली थी: सलमान के मुताबिक, उन्होंने अपने पिता सलीम खान से पूछा कि उन्हें यह शो करना चाहिए या नहीं। सलीम खान ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें अपनी पर्सनैलिटी, सोच, दिल और परवरिश पर भरोसा है। सलमान के 'हां' कहने पर उनके पिता ने उन्हें शो करने और खुद को उसी तरह पेश करने की सलाह दी। सलमान ने कहा कि उन्होंने 'दस का दम' में किसी किरदार को निभाने के बजाय खुद को वास्तविक रूप में पेश किया। उनके मुताबिक, इस शो के जरिए दर्शकों ने पहली बार उन्हें सिर्फ एक एक्टर के तौर पर नहीं, बल्कि एक इंसान के रूप में जाना। उन्होंने कहा कि लोग 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन', 'हम दिल दे चुके सनम' और 'करण अर्जुन' जैसी फिल्मों को भूलकर 'दस का दम' के जरिए उन्हें एक अलग नजरिए से देखने लगे। सलमान ने कहा कि शो में दर्शकों ने एक्टर नहीं, बल्कि 'एक इंसान' देखा और यही उनके लिए सबसे अहम बदलाव था।



नई दिल्ली

मीका सिंह ने दिलजीत दोसांझ पर उठाए सवाल



क्या बोले मीका सिंह?

आपको बताते चले कि, टाइम्स नाउ के साथ बातचीत के दौरान मीका ने कहा, 'मैं दिलजीत से क्यों जलूंगा? मुझे तो उन पर गर्व है। दलेर पाजी के बाद अगर कोई पगड़ी पहनकर सिंगर के

हाल ही में मीका सिंह ने दिलजीत दोसांझ के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात कही है। सिंगर ने यह भी कहा कि उन्हें दिलजीत पर गर्व है, लेकिन साथ ही मीका ने उनके बॉलीवुड फिल्मों को प्रमोट करने के तरीके पर सवाल उठाए।

सिंगर मीका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि दिलजीत ने बॉर्डर 2' के बारे में ज्यादा बात क्यों नहीं की, जबकि उनके मुताबिक उन्होंने 'सरदार जी 3' को ज्यादा प्रमोट किया, जिसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर भी थीं।

तस्वीरों से AI छेड़छाड़ पर भड़कीं यामी गौतम

X पर पोस्ट साझा कर मीडिया से जताई आपत्ति

हाल ही में 'बेस्ट एक्ट्रेस' का नेशनल अवॉर्ड अपने नाम करने वाली एक्ट्रेस यामी गौतम सुर्खियों में बनीं हुई हैं। जबसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई (AI) का नाम सिनेमा जगत की हस्तियों को लेकर भी चर्चाओं का विषय बन गई है। अक्सर देखा गया है कि एआई की मदद से सेलेब्स की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ की जाती है।इस मामले में अभिनेत्री यामी गौतम का नाम भी सामने आ चुका है। एक्ट्रेस ने हालिए में सोशल मीडिया पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर अपनी तस्वीरों में एआई की मदद से बदलाव करने पर नाराजगी व्यक्त की है। आइए आपको बताते एक्ट्रेस ने क्या कहा है?

यामी गौतम का रिएक्शन: यामी गौतम अपनी लेटेस्ट पोस्ट के जरिए चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर शेयर किया है। इस ट्वीट में यानी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से तस्वीरों में किए गए इस्तेमाल को लेकर नाराजगी जताई है।

यामी गौतम ने क्या लिखा? एक्ट्रेस ने एक्स पर लिखा, 'मैं मीडिया से एक विनम्र अनुरोध करती हूं कि कृपया सार्वजनिक कार्यक्रमों की मेरी तस्वीरों में बदलाव करने या उन्हें बेहतर बनाने के लिए AI का इस्तेमाल न करें। तस्वीरों का इस्तेमाल उनके मूल रूप में ही करें।किसी व्यक्ति की तस्वीर या रूप-रंग में AI का इस्तेमाल करके बदलाव या हेर-फेर उनकी जानकारी और सहमति के बिना नहीं किया जाना चाहिए। मेरे अनुरोध का सम्मान करने के लिए पहले से ही धन्यवाद।' इसके अलावा, यानी गौतम ने साफ किया है कि उनके तस्वीरों के साथ किसी भी तरह की एआई की सहायता से बदलाव न करें। आपको बताते चले कि, इससे पहले रश्मिका मंदाना और आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेसेज भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से डीपफेक वीडियो और फोटोज का शिकार बन चुकी हैं।

यामी गौतम की अपकमिंग फिल्म: जल्द ही एक्ट्रेस नई नेवली फिल्म में नजर आने वाली है। 16 अक्तूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ये एक हॉरर कॉमेडी जॉनर की मूवी है, जिसका ट्रेलर देखने के बाद फैस की एक्साइटमेंट काफी हाई है।



कैप्टन स्मित मच्छार के मुरीद हुए सलमान खान

अभिनेता सलमान खान ने फ्लाइडुबई की इजराइल जा रही उड़ान को कथित तौर पर सह-पायलट द्वारा दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश को नाकाम करने वाले पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की सराहना की है। खान ने सोशल मीडिया पर मच्छार की बहादुरी को सलाम किया। अभिनेता सलमान खान ने फ्लाइडुबई की इजराइल जा रही उड़ान को कथित तौर पर सह-पायलट द्वारा दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश को नाकाम करने वाले पायलट कैप्टन स्मित मच्छार की सराहना की है। खान ने सोशल मीडिया पर मच्छार की बहादुरी को सलाम किया। अभिनेता ने 'एक्स' में अपने पोस्ट में कहा, '‘ कमाल कर दिया पायलट जी, हम सब आपके साहस को सलाम करते हैं... आपके साथ उड़ान भरना खुशी की बात होगी... बहुत

बोले- 'कमाल कर दिया पायलट जी, आपके साथ उड़ान भरना खुशी की बात होगी'

बढ़िया भाई... कैप्टन स्मित मच्छार।''' दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान एफजेड1073 ने बुधवार को आपात संकेत भेजे थे और इसके बाद विमान 34,000 फुट की ऊंचाई से तेजी से 17,000 फुट से अधिक नीचे आ गया। बाद में, उसे सकुदी अरब के तबूक शहर स्थित प्रिंस सुल्तान बिन अब्देल अजीज हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। विमान में 27 बच्चों समेत 174 यात्री सवार थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे वीडियो में पायलट खून से लथपथ, ऑक्सीजन मास्क पहने और विमान की 'गैली' में पीठ के बल लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं। शुक्रवार को मच्छार ने अस्पताल से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से वीडियो कॉल पर बातचीत की और घटना के बारे में जानकारी दी। मोदी ने पायलट के साहस, सूझबूझ और संयम की सराहना करते हुए कहा कि उनके क्षण भर में लिए गए फैसले से विमान में सवार लोगों की जान बचाने में मदद मिली।

पति की हिंदी सुनकर हैरान हुई रश्मिका मंदाना



पति विजय देवरकोंडा की हिंदी सुनकर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना हैरान रह गईं। एक इंटरव्यू के दौरान विजय ने 'अनिवार्य कारण' शब्द का इस्तेमाल किया तो यह सुनकर रश्मिका ने कहा कि ये कहां से आ रहा है। दरअसल, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पत्रकार शुभंकर मिश्रा को इंटरव्यू दिया। इसमें दोनों ने हिंदी में बातचीत की। इस दौरान अपनी बात कहते हुए विजय ने 'अनिवार्य कारण' शब्द का इस्तेमाल किया। विजय के हिंदी के शब्द सुनकर रश्मिका हैरान रह गईं और बोलीं, "अनिवार्य कारण... माय गॉड, बेबी। ये कहां से आ रहा है?" इस पर विजय ने जवाब दिया कि यह उनकी हिंदी क्लास और CBSE में पहली से दसवीं तक की पढ़ाई से आ रहा है। विजय की बात सुनकर रश्मिका ने कहा, "ओह माय गॉड, ये कितने साल पहले की बात है?" विजय ने आगे बताया कि उनके अंदर से अचानक यह शब्द निकल आया। इस पर रश्मिका हंसते हुए बोलीं कि यह तो उनके अंदर से ओवरफ्लो हो रहा है और उन्हें खुद समझ नहीं आ रहा कि यह कहां से आ रहा है। गौरतलब है कि रश्मिका ने हाल ही में अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोлинг पर बात की थी। इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह किसी एक भाषा में ही माहिर नहीं हैं। उनका करियर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से खुद को ढालने का रहा है। रश्मिका ने बताया था कि वह कोडवा हैं और कोडवा तबक उनकी मातृभाषा है। उन्होंने कहा कि वह सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हैं।। एक्सट को लेकर ट्रोлинг पर उन्होंने कहा कि अब उन्हें लोगों की राय सुनने की आदत हो गई है। रश्मिका और विजय जल्द ही फिल्म 'रणबाली' में साथ नजर आएंगे। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बनी यह पीरियड ड्रामा फिल्म 16 अक्टूबर को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। फिल्म को माइश्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है।

नुसरत भरुचा की सर्जरी होगी

एक्ट्रेस नुसरत भरुचा हाल ही में बाली में एक हादसे का शिकार हो गईं। वह काम और छुट्टियों से जुड़े दौरे पर बाली गई थीं। हादसे के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ। जिसके बाद आगे की सर्जरी के लिए उन्हें मुंबई लाने का फैसला किया गया। इसके लिए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। 2 अक्टूबर को वह एयर एंबुलेंस से मुंबई पहुंचीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई एक्ट्रेस हादसों में घायल हो चुकी हैं। हादसे के बाद एक्ट्रेस अनू अग्रवाल की याददाश्त चली गई थी। तो वहीं महिमा चौधरी के चेहरे से 67 कांच के टुकड़े निकाले गए थे। 1990 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आशिकी' से मशहूर हुई एक्ट्रेस अनु अग्रवाल के साथ साल 1999 में दर्दनाक हादसा हुआ था। मुंबई में एक लेट-नाइट पार्टी से लौटते समय अनु की कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ था। होश में आने के बाद उनका आधा शरीर पैरालिसिस (लकवा) का शिकार हो चुका था और याददाश्त चले जाने के कारण वह अपनी पुरानी जिंदगी और पहचान तक भूल चुकी थीं।



एक नज़र

शुभमन गिल 1 रन पर हुए आउट, मगर बनाया ये वर्ल्ड रिकॉर्ड; कोहली भी नहीं कर पाए ऐसा

नई दिल्ली,एजेंसी। शुभमन गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैच की वनडे सीरीज में बल्ले से खूब तबाही मचाई। पहले मैच में शतक जड़ने के बाद उन्होंने दूसरे मैच में डबल सेंचुरी ठोकी, हालांकि वह तीसरे मैच में 1 रन बनाकर आउट हो गए, मगर इसके बावजूद वह इतिहास रचने में कामयाब रहे। इस 1 रन के साथ गिल ने IND vs WI वनडे सीरीज में सबसे अधिक 3३4 रन बनाए। वह तीन मैच की किसी भी वनडे सीरीज में अब बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जी हां, जिम्बाब्वे के ब्रेंडन टेलर का 15 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए गिल ने यह उपलब्धि हासिल की है। हेरानी की बात यह है कि टॉप–5 कप्तानों की इस लिस्ट में बाबर आजम का तो नाम है, मगर विराट कोहली का नहीं। शुभमन गिल के नाम बतौर कप्तान ३ मैच की वनडे सीरीज में अब सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। वह मात्र दूसरे ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने ३ मैच की सीरीज में ३00 रन का आंकड़ा पार किया है। पहले यह रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के ब्रेंडन टेलर के नाम था, जिन्होंने 2०11 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ३ मैच की सीरीज में ३10 रन बनाए थे। अब उनसे 24 रन ज्यादा बनाकर गिल ने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप, जिन्होंने तीसरे वनडे में 1६2 रनों की नाबाद पारी खेली, उन्होंने भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। भारत के खिलाफ ३ मैच की इस सीरीज में उन्होंने 278 रन बनाए। वह लिस्ट में बाबर आजम के ऊपर तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम 276 रनों के साथ लिस्ट में चौथे पायदान पर हैं। बाबर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2021 वनडे सीरीज में 276 रन बनाए थे। हेरानी की बात है कि विराट कोहली टॉप–5 बल्लेबाजों की इस लिस्ट में मौजूद नहीं हैं। यूएई के कुर्रम खान जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ २०14 में 270 रन बनाए थे, वह पांचवें पायदान पर हैं। अगर बात विराट कोहली की करें तो उन्होंने ३ मैच की वनडे सीरीज में सबसे अधिक 2६3 रन न्यूजीलैंड के खिलाफ 2०17 में बनाए थे। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया को अच्छी शुरुआत नहीं मिली थी। कप्तान शुभमन गिल 1 रन बनाकर आउट हुए, जबकि विराट कोहली तो खाता भी नहीं खोल पाए। रोहित शर्मा ने रुरुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी की। हालांकि 1६0 के स्कोर तक यह दोनों बल्लेबाज भी पेंसिलियन लौट गए थे। ऐसे में केपल राहुल ने नंबर–5 पर आकर ८7 गेंदों पर 1० चौकों और 9 गगनचुंबी छकों की मदद से 129 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसके दम पर टीम इंडिया ३51 के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही। हालांकि वेस्टइंडीज ने शे होप के नाबाद शतक के दम पर 4८.2 ओवर में इस इस स्कोर को चेज कर डाला।

शुभमन गिल ने किसे ठहराया हार का जिम्मेदार 351 रन बनाकर भी हारी टीम इंडिया

नई दिल्ली,एजेंसी। आखिरी वनडे में 351 रन बनाने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। गिल ने मैच के बाद बताया कि वह टीम के स्कोर से काफी खुश थे, मगर आखिरी में रनो ओवर रेट की वजह से लगी पेनेल्टी टीम इंडिया पर भारी पड़ गई। इसके अलावा उन्होंने खराब फील्डिंग को भी हार का जिम्मेदार बताया। बता दें, केपल राहुल की शतकीय पारी के दम पर भारत ने पहले बैटिंग करते हुए वेस्टइंडीज के सामने 352 रनों का टारगेट रखा था, हालांकि इस स्कोर को मेहमान टीम ने 1० गेंद और 5 विकेट रहते चेज कर डाला। वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने 1६2 रनों की नाबाद पारी खेल टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत यह वनडे सीरीज 2–1 से अपने नाम करने में कामयाब रहा। शुभमन गिल ने मैच के बाद कहा, बहुत सारे बॉक्स टिक हो गए। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ एरिया हैं जिनमें जरूर कुछ फाइन ट्यूनिंग की जरूरत है। मैं टोटल से बहुत खुश था। मुझे लगता है कि गेम कंट्रोल में था। लेकिन इस ओस के साथ चार ओवर पीछे रहने और फिर आखिरी ओवर में, मुझे लगता है कि उन्होंने हमसे गेम छीन लिया। अगर हम पर रनो ओवर रेट नहीं लगता तो गेम शायद आखिरी ओवर तक जाता। बता दें, तय समय तक 50 ओवर पूरा ना करने की वजह से भारतीय टीम को नुकसान हुआ था। 47वें ओवर से ही भारत पर रनो ओवर रेट का जुर्माना लगाया था। आखिरी के चार ओवर में टीम इंडिया को एक अतिरिक्त खिलाड़ी सर्कल में रखना पड़ा था। नहीं, सच में नहीं। हमें नहीं पता था कि गुरुरुरा अपने फ्रैन्चस के साथ वापस आकर बॉलिंग करेगा या नहीं। इसलिए वहां थोड़ी अनसर्टनेटी थी। और हम जानते थे कि मैच ऑरिज तक जाएगा। और, वह एक विकेट लेने वाला बॉलर है और मैं चाहता था कि आखिर में उसके कुछ ओवर हों। मैं कहूंगा कि मैं काफी खुश हूं, लेकिन जैसा मैंने कहा, मुझे लगता है कि अभी भी कुछ एरिया हैं।

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के बावजूद आगामी विश्वकप से पहले टीम को क्षेत्ररक्षण और डेथ ओवरों में सुधार करना होगा। भारत ने वेस्टइंडीज सीरीज में कई कैच ड्रॉप किए। भारतीय टीम इस समय आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में शीर्ष पर है लेकिन बल्लेबाजी को छोड़कर अन्य विभाग में काफी कमजोर नजर आ रही है। वेस्टइंडीज ने लगातार मैचों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ बड़े स्कोर बनाए। हाल ही में आईसीसी ने आगामी वर्ल्ड कप 2027 का शेड्यूल जारी किया है,

जहां भारतीय टीम का पहला मुकाबला सात अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा। तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज से मिली हार के बाद गिल ने कहा, मुझे लगता है कि कई बार हमारी रणनीति स्पष्ट नहीं होती कि हमें आक्रमण करना है या बचाव। ऐसा खासकर डेथ ओवर में गेंदबाजी के दौरान हो रहा है। वनडे क्रिकेट में जब विपक्षी टीम के 5 या 6 विकेट गिर चुके हों, तब सही फील्ड लगाना आसान नहीं होता। हम अक्सर उलझ जाते हैं कि क्या हमें डेथ ओवरों की रणनीति जल्दी अपनानी चाहिए या फिर मिडिल ओवरों की तरह ही हमला जारी रखना चाहिए। इन क्षेत्रों में हमें निश्चित रूप से सुधार करना होगा।

न्यूजीलैंड सीरीज में दिखेगी भारत की संभावित वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन, शुभमन गिल ने दिया हिंट



आईसीसी के इस प्रमुख टूर्नामेंट से पहले सीमित संख्या में वनडे मुकाबलों को देखते हुए गिल को मुख्य गेंदबाजों की लगातार अनुपस्थिति निराशाजनक लगी। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण रहा है।

चोटों और अन्य मुकाबलों के आसपास व्यस्त कार्यक्रम के कारण यह थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि हम उस गेंदबाजी क्रम के साथ नहीं खेल पाए जिसके साथ हम खेलना चाहते थे। हालांकि गिल ने कहा कि इससे नए गेंदबाजों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका भी मिलता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह दूसरे खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका है। अगर हमारी पूरी ताकत वाला गेंदबाजी क्रम उपलब्ध होता तो शायद इनमें से कुछ खिलाड़ी वनडे में नहीं होते। इसलिए यह उनके

मुताबिक नहीं रहा। अगर मैं गलत नहीं हूं तो हमने पूरी श्रृंखला में करीब सात कैच छोड़े। विश्व कप की ओर बढ़ते हुए ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें निश्चित रूप से सुधार करना होगा। तेज गेंदबाज आकिब नबी और अंशुल कंबोज ने इस सीरीज में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया लेकिन गिल ने माना कि दोनों गेंदबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वे इससे कहीं बेहतर प्रदर्शन करना चाहते होंगे।

आकर तुरंत प्रदर्शन करना आसान नहीं है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कभी–कभी आपको थोड़ा समय चाहिए होता है। गिल ने कहा, बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो टीम में आते ही प्रदर्शन करना शुरू कर देते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि वे अपनी गलतियों और मिले मौकों से सीखेंगे। ऑलराउंडर नितिश रेड्डी को तीसरे एकदिवसीय में रविंद्र जडेजा की जगह टीम में शामिल किया गया, लेकिन गिल ने स्पष्ट किया कि अनुभवी गेंद हाथ के स्पिनर को बाहर रखना मुख्य रूप से टीम संयोजन की मजबूरियों के कारण था। उन्होंने कहा, सबसे पहले तो मुझे नहीं लगता कि जड़ू अभी भी को बाहर किया गया था। आगे हम चयनकर्ताओं के साथ चर्चा करेंगे। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए जो टीम है लिए सही होगा और उन परिस्थितियों में जो खिलाड़ी अपने कौशल से टीम की लय टूटती है। गिल ने कहा, पूरी श्रृंखला में हमारा क्षेत्ररक्षण उम्मीद के

वह शांत है, लेकिन मैदान पर तबाही मचा देता है, समय आने पर छ जाएगा; वैभव सूर्यवंशी के बारे में बोले श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली,एजेंसी। श्रेयस अय्यर को भारतीय टीम का कप्तान बने अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है लेकिन उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। यू ऐसी एक निडर और आक्रामक टीम का नेतृत्व कर रहे हैं जो 2 साल बाद ओलंपिक में गोल्ड की दावेदारी करने और वर्ल्ड कप को बचाने की तैयारी कर रही है। एशियन गेम्स समाप्त होने के बाद अब अय्यर की अगुवाई वाली भारतीय टी–20 टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी ही सरजमी पर पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में पहले श्रेयस अय्यर ने जियोस्टार को इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने उन्होंने 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी मे छिपी प्रतिभा और सोच का भी खुलासा किया है। वैभव सूर्यवंशी से हुई बातचीत के आधार पर युवा खिलाड़ी के बारे में श्रेयस अय्यर की क्या राय है इसका खुलासा हुआ है। वैभव के बारे में बात करते हुए श्रेयस अय्यर ने कहा कि मैं वैभव सूर्यवंशी से मैच के बारे में बात कम करता हूं। इसके इतर हम

मैदान से बाहर की चीजों पर ज्यादा बात करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हर कोई उससे क्रिकेट के बारे में बात करता रहता है। अय्यर ने कहा कि हम सबको पता है कि वह एक व्यक्तिके तौर पर वह कितना प्रतिभा से भरा हुआ खिलाड़ी है। इसलिए मैं हमेशा उसकी बाहरी लाइफस्टाइल के बारे में बात करता हूं, उसके परिवार के बारे में जानता हूं, वह क्या करता है क्या नहीं करता इन सब चीजों पर बात करने से वैभव काफी ज्यादा उत्साहित होता है। इन विषयों पर बात करने में वह काफी सहज हो जाता है। श्रेयस अय्यर ने उनकी तारीफ में बात करते हुए कहा– वह बहुत शांत स्वभाव का है। हालांकि, मैदान पर बहुत आक्रामक और तबाही मचाने वाला खिलाड़ी है और ऐसा ही खेल लाता है। उसे देखकर यह विरोधाभास लगता है कि इतना शांत और सहज लड़का इतना आक्रामक कैसे हो सकता है। अय्यर ने आगे बताया कि बातचीत के लिहाज वह बहुत प्यारा और आकर्षक इंसान है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट और हॉकी के मैचों ने तोड़े त्यूअरशिप रिकॉर्ड, एशियन गेम्स में रचा इतिहास

नई दिल्ली,एजेंसी। एशियाई खेलों के इतिहास में भारत–पाकिस्तान पुरुष क्रिकेट फाइनल और पुरुष हॉकी सेमीफाइनल सबसे अधिक देखे जाने वाले मुकाबले रहे। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि आइवी–नागोया खेलों में खिलाड़ियों के सर्वश्रेष्ठ माहौल उपलब्ध कराया गया, जिसका प्रमाण 212 रिकॉर्ड हैं। भारत ने काकामिगाहारा के गिफू प्रांतीय ग्रीन स्टेडियम में पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 4–३ से हराया। इसके बाद भारत ने फाइनल में मलेशिया को हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारत ने पुरुष क्रिकेट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराया। ओसीए समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजव इकराम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, प्रसारण को खेलों के इतिहास में सबसे अधिक दर्शक मिले। इसके पीछे दो बड़े मुकाबले रहे। कल पाकिस्तान–भारत क्रिकेट मैच खेलों का सबसे ज्यादा देखा



जाने वाला मुकाबला रहा और उससे एक दिन पहले (गुरुवार को) पाकिस्तान–भारत हॉकी मैच खेलों के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मुकाबला था। पारंपरिक खेल गांव को खम करके लागत घटाने के फैसले, सीमित जगह वाले आवास और परिवहन संबंधी परेशानियों के कारण इन खेलों की व्यवस्थाओं की आलोचना हुई। आयोजकों ने पारंपरिक खेल गांव की जगह करीब 17,०00 खिलाड़ियों और अधिकारियों के रहने के लिए होटल के कमरों, अस्थायी लकड़ी के कटेनरों और एक वरुज

जहाज का इस्तेमाल किया। हालांकि इकराम ने कहा कि इतने बड़े बहु–खेल आयोजनों में संचालन संबंधी चुनौतियां हमेशा रहती हैं। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि कुछ शिकायतें थीं और कुछ मुद्दे सामने आए। निश्चित रूप से कुछ चुनौतियां थीं, लेकिन हमने जिस तरह उन चुनौतियों का सामना किया, उसे अधिक महत्वपूर्ण तरीके से रेखांकित किया जाना चाहिए। इकराम ने कहा, हमने अपने खिलाड़ियों को बेहतर परिस्थितियों, लॉजिस्टिक्स और संचार व्यवस्था देने की कोशिश की। हमने ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों और अन्य महाद्वीपीय खेलों जैसे कई बड़े आयोजन देखे हैं और संचालन में हमेशा कुछ चुनौतियां होती हैं। खिलाड़ियों के आवास के बारे में उन्होंने कहा, खिलाड़ियों ने इसे काफी अच्छी तरह स्वीकार किया। यह अनुकूलन से विषय था। बड़े खेल गांव का बंद में कोई उपयोग नहीं होता, यह अलग मॉडल था। हां, भविष्य में इस पर विचार किया जा

सकता है। ओसीए के महानिदेशक हुसैन अल–मुसल्लम ने कहा कि आइवी–नागोया खेलों के दौरान 54 विश्व रिकॉर्ड, 11 जूनियर विश्व रिकॉर्ड, 89 एशियाई रिकॉर्ड और 212 एशियाई खेल रिकॉर्ड टूटे। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों के लिए बनाए गए सर्वश्रेष्ठ माहौल के बिना संभव नहीं थी। हमने बहुत कम, अगर खिलाड़ी अच्छी नींद नहीं लेते, अच्छा खाना नहीं खाते और उनके लिए अच्छी परिहहन व्यवस्था नहीं होती तो वे प्रदर्शन नहीं कर सकते। हमें खुशी है कि भारतीय समिति पर कोई बड़ा वित्तीय बोझ नहीं पड़ा और नागोया या कहीं भी कोई ऐसी बड़ी स्थायी परियोजना नहीं बची जिसका बंद में उपयोग नहीं हो। खेलों से ओसीए को हुए आर्थिक लाभ के बारे में अल–मुसल्लम ने कहा, इन खेलों में ओसीए की मार्केटिंग और प्रायोजन से होने वाली आय 2023 में चीन के हांगझोउ में हुए पिछले एशियाई खेलों की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक रही।

मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

आवरों में गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभाली। वहीं, गुवाहाटी में डेब्यू करने वाले आकिब नबी ने भी पारी के आखिरी ओवरों में वेस्टइंडीज को रोकने में भूमिका निभाई। हालांकि वह मुकाबला 405 बनाम 406 रन का बेहद हाई–स्कोरिंग मैच था। दोनों टीमों के गेंदबाजों की जमकर पिटाई हुई क्योंकि परिस्थितियां उनके पक्ष में बिल्कुल नहीं थीं। हालांकि, इस दौरान मिला अनुभव अगले साल होने वाले विश्व कप में जरूर काम आएगा। इससे बेक–अप खिलाड़ियों को अंदजा लग गया है कि उन्हें किस स्तर का प्रदर्शन करना है, जबकि मुख्य खिलाड़ी वापसी की तैयारी में जुटे हैं। शनिवार को

भारत ने पहले बल्लेबाजी चुनी और 4 रन पर 2 विकेट गंवा दिए, लेकिन इसके बावजूद 351 रन बनाए। तीन मैचों में टीम के प्रदर्शन का आकलन करते हुए गिल ने कहा, मैं काफी हद तक संतुष्ट हूं, लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। मुझे लगता है कि हमारी फील्डिंग और बेहतर हो सकती है। पूरी सीरीज में हमने छह या सात कैच छोड़े, जो विश्व कप से पहले अच्छा संकेत नहीं है। आप चाहते हैं कि आपकी फिल्डिंग बेहतर बन सके। हा। गिल ने कहा कि वह बोर्ड पर मौजूद स्कोर से खुश थे, लेकिन माना कि वेस्टइंडीज ने मैच में वापसी की।

भारत-वेस्टइंडीज सीरीज में हुई शतकों की बौछार, 10 साल बाद हुआ ऐसा कारनामा

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच हाल ही में समाप्त वनडे सीरीज रनों के अंबार के लिए जानी जाएगी। भारतीय टीम ने भले ही 2–1 से सीरीज जीती हो लेकिन वेस्टइंडीज की टीम ने वर्ल्ड नंबर–1 टीम को कड़ी टक्कर दी। तीन मैचों की वनडे सीरीज के दौरान बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला। तीनों ही मैचों में टीमें 300 के आंकड़े तक पहुंचने में सफल रही थी। दूसरे वनडे में दोनों टीमों ने मिलकर 8०० से ज्यादा रन बनाए। भारत ने दूसरे मैच में वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे सफल रन चेज करते हुए जीत हासिल की थी। इस सीरीज के दौरान दोनों ही टीमों की तफ़ से शतकों की बौछार हुई, जहां वेस्टइंडीज ने 5 तो वहीं भारत की ओर से भी 5 शतक लगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में इतने शतक लगे कि यह किसी भी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में दूसरा सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड बन गया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज में कुल 10 शतक लगे। भारत की ओर से शुभमन गिल ने दो, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केपल राहुल ने शतकीय पारियां खेली, जबकि वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाइ होप ने दो, जॉन कैमबेल, आतिर जंगू और जस्टिन क्रैव्स ने शतक ठोका। इससे पहले 1० साल पहले भारत–ऑस्ट्रेलिया सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगे थे। एक द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने

होप ने 21वां वनडे शतक लगाया और 143 गेंद की उनकी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने जीत के लिये 352 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया जो वनडे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए उसकी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले लोकेश राहुल ने नाबाद 129 रन की आक्रामक पारी खेली , रोहित शर्मा (92) तथा ऋुराज गायकवाड़ (57) की अर्धशतकीय पारियों के बूते भारत ने शुरुआती झटकों से खबरें हुए सात विकेट पर 351 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था।

वेस्टइंडीज की ऐतिहासिक जीत में धोनी का हाथ शे होप ने खोला राज

नई दिल्ली,एजेंसी। वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में 1६2 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मैच के बाद खुलासा किया कि पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के गुरुक्रम ने इस रनचेज में उनकी काफी मदद की। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ 352 रनों का ज़ारगेट चेज किया, जो वेस्टइंडीज वनडे क्रिकेट के इतिहास का चेज किया गया अब तक का सबसे बड़ा मैचाने वाला खिलाड़ी है और ऐसा ही खेल लाता है। उसे देखकर यह विरोधाभास लगता है कि इतना शांत और सहज लड़का इतना आक्रामक कैसे हो सकता है। अय्यर ने आगे बताया कि बातचीत के लिहाज वह बहुत प्यारा और आकर्षक इंसान है।

यह कुछ ऐसा है, यह हमेशा बहुत आसान होता है, खासकर जब ऑस आती है। लेकिन हां, हम सीरीज को मजबूती से समाप्त करना चाहते थे, इसलिए मुझे खुशी है कि हम ऐसा करने में कामयाब हुए। (अपनी चोट पर) शायद लगभग 30 ओवर के बाद, कमर के पास में कुछ महसूस हुआ। तो बस वहां अंत तक लड़ने की कोशिश की। ठीक है, सबसे पहले, हमारे पास एक बल्लेबाज कम हो गया था, अगर आप विटेल लौटें तो भी गिनने तो शायद दो से। इसलिए यह हमेशा एक चुनौती रहेगी। कुछ ऐसा कि मेरी महान व्यक्ति एमएस धोनी के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई, वह मुझसे कह रहे थे कि आपके पास हमेशा जितना आप सोचते हैं उससे अधिक समय होता है। इसलिए बस

वैभव सूर्यवंशी को सैंडऑफ़ देने वाले सैम अयूब को पड़ी डांट, वह कोई बच्चा नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी को सैंड ऑफ़ देने वाले सैम अयूब को अब अपने ही देश के पूर्व खिलाड़ियों से डांट पड़ रही है। शनिवार, ३ अक्टूबर को भारत–पाकिस्तान के बीच एशियन गेम्स 202६ का फाइनल यात्री गोल्ड मेडल मैच खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया ने जीत दर्ज की, हालांकि सैम अयूब अपने बचपाने सेलिब्रेशन के चलते सुर्खियों में आ गए। वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद सैम अयूब ने गोद में बच्चे खिलाते जैसा सेलिब्रेशन किया। कुछ ही देर में उनका ये सेलिब्रेशन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और भारतीय फैंस इसकी आलोचना करने लगे। सूर्यवंशी को सैंडऑफ़ देने का टॉपिक एंकर ने एक चर्चा के दौरान शुरू किया, क्या आपने वह एक्शन देखा यह कितना बुरा है आप इतना अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। आप इतने लंबे समय के बाद इंडिया के कंट्रर दे रहे हैं। ये चीजें अच्छी नहीं लग रही हैं। 'गेम प्लान' यूट्यूब शो पर इसका जवाब देते हुए कामरान अकमल ने कहा, ये चीजें लंबे समय से हो रही हैं। हमारा परफॉर्मेंस बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन हम सोशल मीडिया के लिए चीजें कर रहे हैं। मैनेजमेंट को इस बारे में सलाह चाहिए। यह इंटरनेशनल क्रिकेट है। चाहे वह 1३, 14 या 15 साल का हो, वह इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रहा है। सैम अयूब कोई बच्चा नहीं है। उसे अपने परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। तीसरे ओवर की पहली गेंद पर सैम अयूब ने वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद ये सेलिब्रेशन किया था। नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े अभिषेक शर्मा ने यह पूरी घटना देखी थी। अभिषेक ने मुंड से तो कुछ जवाब नहीं दिया, मगर उन्होंने बल्ले से कोहराम मचा दिया। तीसरे ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर अभिषेक ने सैम अयूब को एक छक्का और दो चौके लगाकर बदल लिया। अभिषेक इसके बाद रुके ही नहीं। 20 गेंदों पर फाइनल में अभिषेक ने शतक पूरा किया और 7 गगनचुंबी छकों की मदद से 61 रनों की पारी खेली।